तत् त्वं पूषन् अपावृणु
केन्द्रीय विद्यालय संगठन

# सामाजिक विज्ञान
# Social Science

## कक्षा / Class IX
2025-26

### विद्यार्थी सहायक सामग्री
### Student Support Material

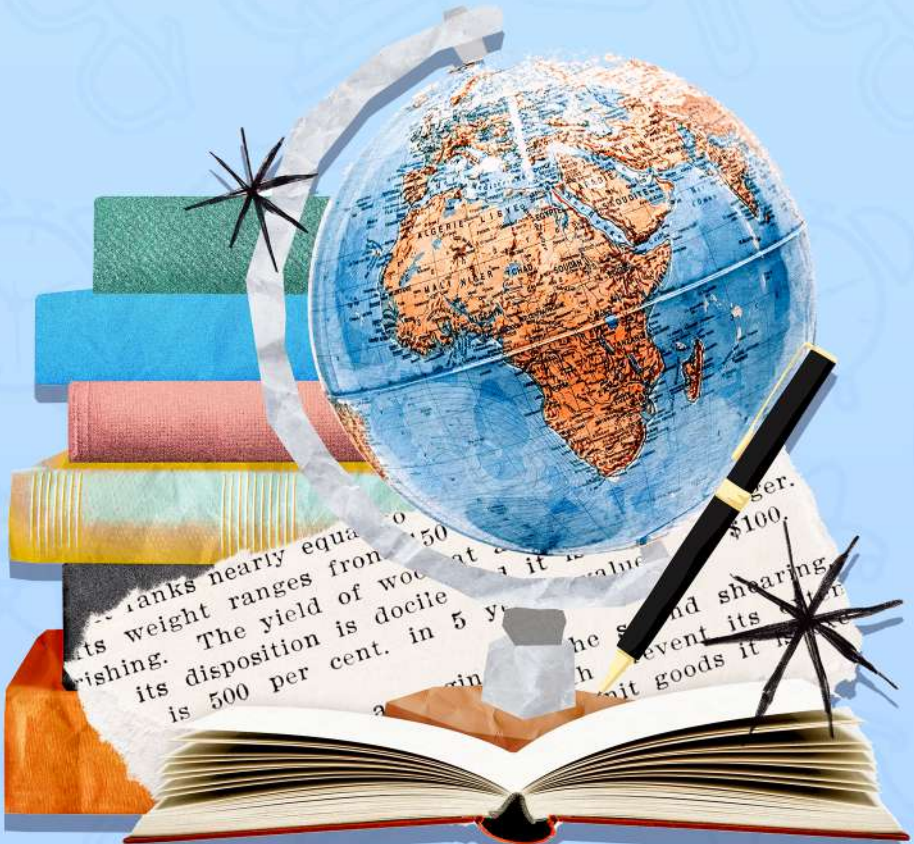

केन्द्रीय विद्यालय संगठन~Kendriya Vidyalaya Sangathan

# संदेश

विद्यालयी शिक्षा में शैक्षिक उत्कृष्टता प्राप्त करना एवं नवाचार द्वारा उच्च - नवीन मानक स्थापित करना केन्द्रीय विद्यालय संगठन की नियमित कार्यप्रणाली का अविभाज्य अंग है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एवं पी. एम. श्री विद्यालयों के निर्देशों का पालन करते हुए गतिविधि आधारित पठन-पाठन, अनुभवजन्य शिक्षण एवं कौशल विकास को समाहित कर, अपने विद्यालयों को हमने ज्ञान एवं खोज की अद्‌भुत प्रयोगशाला बना दिया है। माध्यमिक स्तर तक पहुँच कर हमारे विद्यार्थी सैद्धांतिक समझ के साथ-साथ, रचनात्मक, विश्लेषणात्मक एवं आलोचनात्मक चिंतन भी विकसित कर लेते हैं। यही कारण है कि वह बोर्ड कक्षाओं के दौरान विभिन्न प्रकार के मूल्यांकनों के लिए सहजता से तैयार रहते हैं। उनकी इस यात्रा में हमारा सतत योगदान एवं सहयोग आवश्यक है - केन्द्रीय विद्यालय संगठन के पांचों आंचलिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान द्वारा संकलित यह विद्यार्थी सहायक-सामग्री इसी दिशा में एक आवश्यक कदम है । यह सहायक सामाग्री कक्षा 9 से 12 के विद्यार्थियों के लिए सभी महत्वपूर्ण विषयों पर तैयार की गयी है। केन्द्रीय विद्यालय संगठन की विद्यार्थी सहायक- सामग्री अपनी गुणवत्ता एवं परीक्षा संबंधी सामग्री संकलन की विशेषज्ञता के लिए जानी जाती है और शिक्षा से जुड़े विभिन्न मंचों पर इसकी सराहना होती रही है। मुझे विश्वास है कि यह सहायक सामग्री विद्यार्थियों की सहयोगी बनकर निरंतर मार्गदर्शन करते हुए उन्हें सफलता के लक्ष्य तक पहुँचाएगी।

शुभाकांक्षा सहित ।

**निधि पांडे**
**आयुक्त , केन्द्रीय विद्यालय संगठन**

**संरक्षक**

श्रीमती निधि पाण्डेय, आयुक्त, केविसं

**सह-संरक्षक**

डॉ पी देवकुमार, अतिरिक्त आयुक्त (शैक्षिक), केविसं (मु.)

**समन्वयक**

सुश्री चंदना मंडल,संयुक्त आयुक्त (प्रशिक्षण), केविसं (मु.)

**कवर डिजाईन**

केविसं प्रकाशन विभाग

**संपादक:**

1. श्री बी.एल. मोरोडिया, निदेशक, जीट ग्वालियर
2. सुश्री मीनाक्षी जैन, निदेशक, जीट मैसूर
3. सुश्री शाहिदा परवीन, निदेशक, जीट मुंबई
4. सुश्री प्रीती सक्सेना, प्रभारी निदेशक, जीट चंडीगढ़
5. श्री बीरबल धींवा, प्रभारी निदेशक, जीट भुवनेश्वर

**CONTENT CREATORS:**

श्रीमती भारती सिंह, प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (सामाजिक विज्ञान), पी.एम. श्री के.वि नं.2 आगरा, आगरा संभाग

श्री प्रसून सिंह धाकड़, प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (सामाजिक विज्ञान), पी.एम. श्री के.वि. ललितपुर, आगरा संभाग

श्री सी. जे. टोप्पो, प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (सामाजिक विज्ञान), पी.एम. श्री के.वि. बीना, भोपाल संभाग

श्री महेंद्र बेनीवाल, प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (सामाजिक विज्ञान), के.वि. खरगोन, भोपाल संभाग

सुश्री संस्कृति समैया, प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (सामाजिक विज्ञान), पी. एम. श्री के.वि. नं. 2 सागर, जबलपुर संभाग

श्री लोकेश कुमार अग्निहोत्री, प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (सामाजिक विज्ञान), पी.एम. श्री के.वि. छतरपुर, जबलपुर संभाग

श्रीमती रचना चौहान, प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (सामाजिक विज्ञान), पी.एम. श्री केवि. विजनौर शिफ्ट-1 लखनऊ, लखनऊ संभाग

श्री संतोष कुमार गुप्ता, प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (सामाजिक विज्ञान), पी.एम. श्री के.वि. माटी, शिफ्ट -1, लखनऊ संभाग

श्री प्रभात तिवारी, प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (सामाजिक विज्ञान), पी.एम. श्री के.वि. एएफएस बमरौली प्रयागराज, वाराणसी संभाग

श्री नरेन्द्र प्रताप, प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (सामाजिक विज्ञान), पी. एम. श्री के.वि. सिद्धार्थनगर, वाराणसी संभाग

# सामाजिक विज्ञान – कक्षा – IX

## अनुक्रमणिका


| क्रम सं | अध्याय का नाम | पृष्ठ संख्या |
|---|---|---|
| इतिहास- भारत और समकालीन विश्व-I | | |
| अध्याय-1. | फ्रांसिसी क्रांति | 5-9 |
| अध्याय.-2 | यूरोप में समाजवाद एवं रूसी क्रांति | 9-12 |
| अध्याय.-3. | नात्सीवाद और हिटलर का उदय | 12-15 |
| भुगोल- तत्कालीन भारत -I | | |
| अध्याय.-1. | भारत – आकार और स्थिति | 16-18 |
| अध्याय.-2. | भारत का भौतिक स्वरुप | 18-22 |
| अध्याय.-3. | अपवाह | 23-25 |
| अध्याय.-4. | जलवायु | 25-28 |
| अध्याय.-5. | प्राकृतिक वनस्पति तथा वन्य प्राणी | 29 |
| अध्याय.-6. | जनसंख्या | 30-33 |
| **राजनीति विज्ञान लोकतंत्रिकराजनीतिक-I** | | |
| अध्याय.-1. | लोकतंत्र क्या? लोकतंत्र क्यों? | 33-35 |
| अध्याय.-2. | संविधान निर्माण | 35-39 |
| अध्याय.-3. | चुनावी राजनीति | 39-43 |
| अध्याय.-4. | संस्थाओं का कामकाज | 44-47 |
| अध्याय.-5. | लोकतांत्रिक अधिकार | 47-50 |
| अर्थशास्त्र- आर्थिक विकास को समझना | | |
| अध्याय.-1. | संसाधन के रूप में लोग | 50-53 |
| अध्याय.-2. | निर्धनता: एक चुनौती | 53-56 |
| अध्याय.-3. | भारत में खाद्य सुरक्षा | 57-60 |
| संलग्न | पुराने वर्षों के हल और अनसुलझे प्रश्न पत्र | * |

# अध्याय- 1
# फ्रांसीसी क्रांति

**अध्याय का सार -**

फ्रांसीसी समाज-

1 प्रथम वर्ग (पादरी)

2 द्वितीय वर्ग (कुलीन वर्ग),

3 तृतीय वर्ग (शेष जनसंख्या)

फ्रांसीसी समध्यम वर्ग का विकास-

1.नए सामाजिक समूह का उदय हुआ

2.वे शिक्षित हुए

3. दार्शनिक उभरे

जीवित रहने के लिए संघर्ष-

1.जनसंख्या में वृद्धि

2.खाद्यान्न की मांग में वृद्धि

3.मजदूरी में वृद्धि नहीं हुई

क्रांति का प्रकोप-बैस्टाइल में विद्रोह-

गुस्साई महिलाओं ने बेकरी की दुकान पर धावा बोला

किसानों ने महलों पर हमला किया

**राजनीतिक कारक:** कमज़ोर राजशाही- राजा लुई सोलहवें अनिर्णायक थे और वित्तीय संकट का प्रबंधन करने में असमर्थ थे।

**ज्ञानोदय के विचार:** वोल्टेयर, रूसो और मोंटेस्क्यू जैसे दार्शनिकों ने पारंपरिक व्यवस्था को चुनौती देते हुए स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व के विचारों को बढ़ावा दिया।

वर्साय पर महिलाओं का मार्च: अक्टूबर 1789- महिलाओं ने रोटी की मांग के लिए पेरिस से वर्साय तक मार्च किया और शाही परिवार को पेरिस जाने के लिए मजबूर किया, जिससे उन पर कड़ी निगरानी रखी गई।

**राजशाही को उखाड़ फेंका गया**:- अगस्त 1792- राजशाही को उखाड़ फेंका गया और फ्रांस को एक गणराज्य घोषित किया गया।लुई सोलहवें को फांसी:- जनवरी 1793- राजा लुई सोलहवें पर राजद्रोह का मुकदमा चलाया गया और उन्हें फांसी पर चढ़ा दिया गया।

1791 का संविधान: एक संवैधानिक राजतंत्र की स्थापना की गई, राजा की शक्तियों को कम किया गया और एक विधान सभा बनाई गई।

प्रमुख घटनाएँ

1.राष्ट्रीय सभा का गठन:

जून 1789: तृतीय एस्टेट ने स्वयं को नेशनल असेंबली घोषित कर दिया तथा फ्रांस के लोगों का प्रतिनिधित्व करने का दावा किया।

2. टेनिस कोर्ट शपथ

नेशनल असेंबली के सदस्यों ने तब तक भंग न होने की शपथ ली जब तक कि वे नया संविधान तैयार नहीं कर लेते।

3. बैस्टिल पर आक्रमण

*14 जुलाई, 1789: पेरिस के लोगों ने शाही अत्याचार के प्रतीक बैस्टिल जेल पर हमला किया। इस घटना को फ्रांस के राष्ट्रीय दिवस के रूप में मनाया जाता है।*

4. मानव एवं नागरिक अधिकारों की घोषणा:

अगस्त 1789: स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व के सिद्धांतों की घोषणा की तथा व्यक्तिगत और सामूहिक अधिकारों पर जोर दिया।

**निर्देशिका और नेपोलियन का उदय** - निर्देशिका 1795-1799: एक अधिक उदार सरकार स्थापित की गई, लेकिन यह भ्रष्टाचार और अक्षमता से ग्रस्त थी।

**नेपोलियन का उदय:** 1799: नेपोलियन बोनापार्ट ने तख्तापलट किया, अंततः फ्रांस का शासक बन गया और क्रांति को समाप्त कर दिया।

**महिलाओं की क्रांति** -

- तीसरे एस्टेट की अधिकांश महिलाओं को जीविका के लिए काम करना पड़ता था।
- उन्होंने समान काम के लिए समान वेतन की मांग की।
- अपनी रुचियों पर चर्चा करने और आवाज उठाने के लिए, महिलाओं ने अपने स्वयं के राजनीतिक क्लब और समाचार पत्र शुरू किए।
- आखिरकार 1946 में फ्रांस में महिलाओं को वोट देने का अधिकार मिला

**दासता का उन्मूलन-**

- यूरोप, अफ्रीका और अमेरिका के बीच एक त्रिकोणीय दास व्यापार था।
- 18वीं शताब्दी में, फ्रांस में दासता की बहुत कम आलोचना हुई।
- आखिरकार 1848 में फ्रांसीसी उपनिवेशों में दासता को समाप्त कर दिया गया।

**क्रांति और रोज़मर्रा की ज़िंदगी-**

- क्रांतिकारी सरकारों ने ऐसे कानून पारित करने का बीड़ा उठाया जो स्वतंत्रता और समानता के आदर्शों को रोज़मर्रा के व्यवहार में बदल सकें।

- एक महत्वपूर्ण कानून जो लागू हुआ वह था सेंसरशिप का उन्मूलन।

**महत्वपूर्ण तिथियाँ-**

- 1789, 14 जुलाई: राष्ट्रीय असेंबली का गठन हुआ। 14 जुलाई को बैस्टिल पर हमला हुआ। फ्रांसीसी क्रांति शुरू हुई।
- 1789, 26 अगस्त: मानव अधिकारों की घोषणा
- 1790: पादरी के नागरिक संविधान ने चर्च का राष्ट्रीयकरण किया। 1791: राष्ट्रीय संविधान सभा का विघटन।
- 1793: लुई सोलहवें और मैरी एंटोनेट को मार दिया गया
- 1804: नेपोलियन बोनापार्ट फ्रांस का राजा बन गया और उसने नेपोलियन कोड/नागरिक संहिता पेश की।

**व्यापक प्रभाव-** वैश्विक क्रांतियों पर प्रभाव, लोकतांत्रिक आदर्शों की विरासत:सीखने का सबक: मानवाधिकारों की मांग.

## बहुविकल्पीय प्रश्न-

प्रश्न 1- प्रश्न 1. निम्नलिखित में से कौन सा कथन सरकार को आकार देने में आम नागरिकों की भूमिका के बारे में फ्रांसीसी क्रांति द्वारा दिए गए सबक को सबसे अच्छी तरह से समझाता है?

A) राजनीतिक परिवर्तन केवल शाही फरमानों के माध्यम से ही संभव है।

B) आम लोगों का सरकार की संरचना पर कोई प्रभाव नहीं होता है।

C) आम लोगों की सक्रिय भागीदारी अन्याय को चुनौती दे सकती है और लोकतांत्रिक संस्थाओं के निर्माण में योगदान दे सकती है।

D) क्रांतियाँ तभी सफल होती हैं जब उनका नेतृत्व विदेशी ताकतों द्वारा किया जाता है।

**उत्तर: C) आम लोगों की सक्रिय भागीदारी अन्याय को चुनौती दे सकती है और लोकतांत्रिक संस्थाओं के निर्माण में योगदान दे सकती है।**

प्रश्न-2- यदि आप 18वीं शताब्दी के फ्रांस में किसान होते, तो आप कर प्रणाली से किस तरह प्रभावित होते?

A. आप सभी करों से मुक्त होते।

B. आप चर्च और राज्य दोनों को कर देते।

C. आप केवल स्वैच्छिक योगदान देते।

D. आप कुलीन लोगों से कर वसूलते।

**उत्तर-B आप चर्च और राज्य दोनों को कर देते।**

प्रश्न-3 14 जुलाई, 1789 को बैस्टिल पर हमला फ्रांसीसी क्रांति के दौरान आम लोगों की बढ़ती शक्ति और मांगों को कैसे दर्शाता है?

A) इसने क्रांतिकारियों पर राजा की जीत को चिह्नित किया

B) यह फ्रांस में विदेशी प्रभाव के पतन का प्रतीक था

C) यह निरंकुश राजशाही के खिलाफ लोगों के विद्रोह और स्वतंत्रता, न्याय और समानता की मांग का प्रतिनिधित्व करता था

D) यह कुलीन वर्ग के नेतृत्व में एक शांतिपूर्ण सुधार आंदोलन की शुरुआत का संकेत था

**संकेत: C) यह निरंकुश राजशाही के खिलाफ लोगों के विद्रोह और स्वतंत्रता, न्याय और समानता की मांग**

**का प्रतिनिधित्व करता था**

प्रश्न-4. चित्र को ध्यान से देखें और चित्र की विशेष विशेषताओं को पहचानें-

A-यह महिला कलाकार द्वारा बनाई गई दुर्लभ पेंटिंग में से एक है

B-चित्र एक महिला रूपक स्वतंत्रता है।

C-यह फ्रांस के नए संविधान का प्रतीक है।

D-(a) और (b) दोनों

**उत्तर- D-(a) और (b) दोनों**

**अति लघुउतरीय प्रश्न**

प्रश्न 01 - क्रान्ति-पूर्व फ्रांस में 'तृतीय एस्टेट' का गठन किसने किया था, तथा उनकी सामाजिक और आर्थिक स्थितियों ने परिवर्तन की क्रान्तिकारी मांगों में किस प्रकार योगदान दिया?

**संकेत** - आम लोग - किसान, कारीगर, श्रमिक और पूंजीपति वर्ग

प्रश्न-2 क्रान्ति-पूर्व फ्रांस में तृतीय एस्टेट द्वारा चर्च को दिए जाने वाले कर का नाम क्या था, और ऐसे कर उस समय की सामाजिक और आर्थिक असमानताओं को किस प्रकार प्रतिबिम्बित करते थे?

**संकेत** - दशमांश

**लघु उत्तर प्रकार के प्रश्न**

प्रश्न 1- फ्रांसीसी क्रांति के दौरान बास्तील पर आक्रमण का क्या महत्व था, और यह निरंकुश राजतंत्र को चुनौती देने के लिए आम लोगों की बढ़ती शक्ति और दृढ़ संकल्प को किस प्रकार दर्शाता है?

**संकेत-** राजशाही की निरंकुश शक्ति के अंत का प्रतीक,क्रांति की शुरुआत को चिह्नित किया, लोगों ने हथियार जब्त किए और कैदियों को मुक्त किया

प्रश्न 2- रोबेस्पिएरे कौन थे और फ्रांसीसी क्रांति के दौरान उनके शासन काल को 'आतंक का शासन' क्यों कहा जाता है? विश्लेषण करें कि उनकी नीतियों ने फ्रांसीसी समाज को कैसे प्रभावित किया और क्रांति की दिशा में क्या योगदान दिया।

**संकेत**- उत्तर- जैकोबिन्स का नेता, तानाशाही नियंत्रण (1793-94),कठोर कानून, गिलोटिन के माध्यम से विरोधियों को फांसी देना

**दीर्घ उत्तर प्रकार के प्रश्न-**

प्रश्न 1 फ्रांसीसी क्रांति ने फ्रांस के लोगों के रोज़मर्रा के जीवन में किस तरह के बदलाव लाए? उदाहरणों के साथ चर्चा

करें कि क्रांति के दौरान और उसके बाद सामाजिक रीति-रिवाज़, कानून और संस्थाएँ किस तरह बदल गईं।
**संकेत**- पोशाक, भाषा और सार्वजनिक उत्सवों में परिवर्तन, महाशय या मैडम के बजाय "नागरिक" का प्रयोग, सेंसरशिप का उन्मूलन, मुक्त प्रेस की शुरूआत, शिक्षा और कानूनों में सुधार, क्रांतिकारी आदर्श को दर्शाते सांस्कृतिक परिवर्तन.

प्रश्न-2 दार्शनिकों और ज्ञानोदय विचारकों के विचारों ने फ्रांसीसी क्रांति को कैसे प्रेरित किया? अपने उत्तर का समर्थन करने के लिए उदाहरण दें।
**संकेत** - मोंटेस्क्यू (शक्तियों का पृथक्करण), और वोल्टेयर (भाषण की स्वतंत्रता), स्वतंत्रता, लोकतंत्र और न्याय के विचार, पैम्फलेट, सैलून और मुद्रित पुस्तकों का प्रसार, मध्यम वर्ग (पूंजीपति वर्ग) पर प्रभाव, परिवर्तन और सुधारों की मांगों में योगदान।

## अध्याय -२
## यूरोप में समाजवाद और रूसी क्रांति

**अध्याय का सार-**

**1. सामाजिक परिवर्तन का युग**

**औद्योगिक क्रांति से आर्थिक विकास तो हुआ लेकिन सामाजिक समस्याएं (बेरोजगारी, गरीबी, खराब कार्य स्थितियां) भी पैदा हुईं।उदारवाद: व्यक्तिगत अधिकारों और संसदीय लोकतंत्र का समर्थन किया।**

**कट्टरपंथी: व्यापक मताधिकार चाहते थे, धन के संकेन्द्रण का विरोध करते थे।**

**रूढ़िवादी: परिवर्तनों को धीरे-धीरे स्वीकार करते थे; पारंपरिक संस्थाओं को संरक्षित करना चाहते थे।**

**2.यूरोप मे समाजवाद**

**पूंजीवाद की आलोचना के रूप में उभरे। समाजवादी संपत्ति और उत्पादन के सामूहिक स्वामित्व में विश्वास करते थे।**

**रॉबर्ट ओवेन (यूटोपियन समाजवादी) और कार्ल मार्क्स (वैज्ञानिक समाजवादी) प्रमुख विचारक थे।**

**कार्ल मार्क्स और फ्रेडरिक एंगेल्स ने कम्युनिस्ट घोषणापत्र (1848) लिखा, जिसमें वर्गविहीन समाज की वकालत की गई।**

**1914 में रूसी साम्राज्य**

**ज़ार निकोलस द्वितीय (निरंकुश राजशाही) द्वारा शासित। समाज कुलीन वर्ग, पादरी और किसानों में विभाजित था। श्रमिकों और किसानों का शोषण किया जाता था। रूस अन्य यूरोपीय देशों की तुलना में आर्थिक रूप से पिछड़ा हुआ था।**

- ❖ समाजवाद - एक विचारधारा जो उत्पादन के सामूहिक स्वामित्व की वकालत करती है।
- ❖ बोल्शेविक - लेनिन के नेतृत्व में एक कट्टरपंथी समाजवादी समूह।
- ❖ मेन्शेविक - एक उदारवादी समाजवादी समूह। ,ड्यूमा- रूसी संसद।
- ❖ अस्थायी सरकार- ज़ार के त्याग के बाद गठित अस्थायी सरकार।
- ❖ निरंकुशता- सरकार की प्रणाली जहाँ एक व्यक्ति के पास पूर्ण शक्ति होती है।
- ❖ सामूहिकीकरण -छोटे खेतों को बड़े, सामूहिक खेतों में मिलाने की नीति।
- ❖ खूनी रविवार- 1905 ज़ार के सैनिकों द्वारा निहत्थे प्रदर्शनकारियों का नरसंहार।

## रूसी क्रांति:

**1905 की क्रांति-श्रमिकों ने सोवियत (परिषद) का गठन किया।विरोध प्रदर्शनों और नरसंहार (खूनी रविवार) के बाद, ज़ार ने ड्यूमा (संसद) के गठन की अनुमति दी, लेकिन सीमित शक्तियों के साथ।**

**फरवरी क्रांति (1917)-युद्ध की विफलताओं, खाद्यान्न की कमी और सार्वजनिक अशांति के कारण। ज़ार ने पद त्याग दिया और एक अनंतिम सरकार का गठन किया गया।सोवियतों ने सत्ता हासिल की, खासकर पेट्रोग्राद सोवियत ने।**

**अक्टूबर क्रांति (1917)-व्लादिमीर लेनिन और बोल्शेविकों के नेतृत्व में।अस्थायी सरकार को उखाड़ फेंका।रूस में पहली समाजवादी सरकार स्थापित हुई**

### क्रांति के बाद

- ❖ भूमि किसानों को पुनः वितरित की गई।
- ❖ बैंकों और उद्योगों का राष्ट्रीयकरण किया गया।
- ❖ रूस ने प्रथम विश्व युद्ध (ब्रेस्ट-लिटोव्स्क की संधि) से अपना नाम वापस ले लिया।
- ❖ रेड्स (बोल्शेविक) और व्हाइट्स (बोल्शेविक विरोधी) के बीच गृहयुद्ध हुआ।
- ❖ बोल्शेविक (बाद में कम्युनिस्ट) जीत गए।

### USSR का गठन

- ❖ सोवियत समाजवादी गणराज्यों का संघ 1922 में बना।

❖ जोसेफ स्टालिन ने लेनिन की जगह ली और सामूहिकीकरण और पंचवर्षीय योजना की शुरुआत की

**बहुविकल्पीय प्रश्न**

प्रश्न 1 अभिकथन (A): अधिकांश समाजवादियों का मानना था कि निजी संपत्ति सामाजिक असमानताओं का मूल कारण है।

कारण (R): समाजवादियों ने सभी के लिए समानता और कल्याण को बढ़ावा देने के लिए संपत्ति के सामूहिक स्वामित्व की वकालत की।

विकल्प:

A) A और R दोनों सत्य हैं, और R, A का सही स्पष्टीकरण है।

B) A और R दोनों सत्य हैं, लेकिन R, A का सही स्पष्टीकरण नहीं है।

C) A सत्य है, लेकिन R असत्य है।

D) A असत्य है, लेकिन R सत्य है।

उत्तर: A) A और R दोनों सत्य हैं, और R, A का सही स्पष्टीकरण है।

प्रश्न 2 किस राजनीतिक दल का मानना था कि रूसी किसान ही सच्चा क्रांतिकारी वर्ग है जो समाज को बदलने में सक्षम है?

A) बोल्शेविक पार्टी B) मेंशेविक पार्टी

C) समाजवादी क्रांतिकारी पार्टी D) चीन की कम्युनिस्ट पार्टी

उत्तर: C) समाजवादी क्रांतिकारी पार्टी

प्रश्न 3. उनके व्यक्तित्व और उनके द्वारा शुरू किए गए प्रसिद्ध कार्यक्रम की पहचान करें।

A. जोसेफ स्टालिन, सामूहिकता कार्यक्रम

B. वी. लेनिन, कम्यूनिकेशन(मीर) कार्यक्रम

C. कार्ल मार्क्स, सर्वहारा वर्ग की तानाशाही।

D. एफ.एंगेल्स, साम्यवाद।.

उत्तर- A. जोसेफ स्टालिन, सामूहिकता कार्यक्रम

**अति लघु उत्तर प्रकार के प्रश्न-**

प्रश्न-1. समाजवाद की मूल विचारधारा क्या थी, और इसने समाज में असमानता और शोषण के मुद्दों को कैसे संबोधित किया? स्वामित्व और उत्पादन पर इसके विचारों के संदर्भ में समझाइए।

**संकेत**- निजी संपत्ति का अंत और धन का समान वितरण

प्रश्न-2. रूस में 1917 की अक्टूबर क्रांति के प्रमुख परिणाम क्या थे और इससे किस प्रकार एक नई राजनीतिक और आर्थिक व्यवस्था की स्थापना हुई?

**संकेत**- रूस में बोल्शेविकों ने सत्ता पर कब्ज़ा कर लिया।

**लघु उत्तर प्रकार के प्रश्न-**

प्रश्न-1- रूसी क्रांति के दौरान सोवियतों - श्रमिकों और सैनिकों की परिषदों - ने क्या भूमिका निभाई और उन्होंने सत्ता हस्तांतरण और समाजवादी राज्य की स्थापना को कैसे प्रभावित किया?

**संकेत**-उन्होंने अनंतिम सरकार के अधिकार को चुनौती दी,क्रांति के दौरान विरोध प्रदर्शन और हड़तालों को संगठित करने में प्रमुख भूमिका निभाई।

प्रश्न-2- 1917 में ज़ारवादी निरंकुशता क्यों समाप्त हो गई? तीन कारण बताइए।

**संकेत**-विश्व युद्ध में भारी क्षति और खाद्यान्न की कमी। मज़दूरों और किसानों में असंतोष।

**दीर्घ उत्तर प्रकार के प्रश्न-**

प्रश्न-1- 1917की रूसी क्रांति में व्लादिमीर लेनिन की क्या भूमिका थी? विश्लेषण करें कि उनके नेतृत्व, विचारों और कार्यों ने क्रांति के पाठ्यक्रम और परिणाम को कैसे प्रभावित किया।

**संकेत**-लेनिन ने बोल्शेविक पार्टी का नेतृत्व किया और अप्रैल थीसिस पेश की। जन समर्थन हासिल करने के लिए "शांति, भूमि और रोटी" का आह्वान किया। अक्टूबर क्रांति का आयोजन किया और अनंतिम सरकार को उखाड़ फेंका। बैंकों और उद्योगों का राष्ट्रीयकरण किया।

प्रश्न-2 1917की क्रांति से पहले रूस में सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक परिस्थितियाँ क्या थीं? बताइए कि इन परिस्थितियों ने जनता के असंतोष और क्रांति के फैलने में किस तरह योगदान दिया।

**संकेत-**सामाजिक: कुलीनों और किसानों के बीच असमानता; काम करने की खराब परिस्थितियाँ। आर्थिक: पिछड़ी कृषि, खाद्यान्न की कमी और औद्योगिक अशांति। राजनीतिक: निरंकुश राजतंत्र, कोई वास्तविक संसद नहीं, सेंसरशिप और दमन।

---

## अध्याय- 3
## नाज़ीवाद और हिटलर का उदय

**अध्याय का सार -**

| | |
|---|---|
| **1. प्रथम विश्व युद्ध** | • जर्मनी 1918 में प्रथम विश्व युद्ध हार गया। |
| 2. वर्साय की संधि | 28 जून 1919 को फ्रांस के वर्साय महल में शांति संधि पर हस्ताक्षर किए गए<br>• युद्ध अपराध धारा और मुआवज़ा – 32 अरब अमेरिकी डॉलर<br>• क्षेत्रीय हानि<br>• सेना पर प्रतिबंध |
| 3. वाइमर गणराज्य | • प्रथम विश्व युद्ध के बाद लोकतांत्रिक सरकार बनी।<br>• आर्थिक संकटों (अत्यधिक मुद्रास्फीति, बेरोजगारी) का सामना करना<br>• लोगों का विश्वास खो दिया। |
| 4. हिटलर का उदय | • हिटलर जर्मन वर्कर्स पार्टी में शामिल हो गया ⟶ नाजी पार्टी बन गई। |

| | |
|---|---|
| | • मजबूत नेतृत्व, जर्मनी के पुनरुद्धार और<br>• वर्साय संधि को अस्वीकार करने का वादा करके<br>• जनता का समर्थन प्राप्त किया. |
| 5. नाजी विचारधारा | • आर्यन नस्लीय श्रेष्ठता में विश्वास। यहूदी विरोधी, लोकतंत्र विरोधी, साम्यवाद विरोधी।<br>• युद्ध और हिंसा का महिमामंडन।<br>• फ़्यूहरर (नेता - हिटलर) के प्रति पूर्ण आज्ञाकारिता। |

## 6. जर्मनी में नाजी शासन

- हिटलर 1933 में चांसलर बना। उसने जर्मनी को एक तानाशाही में बदल दिया – सेंसरशिप, गुप्त पुलिस (गेस्टापो), और जन-प्रचार का व्यापक उपयोग किया।
  • शिक्षा – बच्चों के दिमाग में नाजी विचार भरना, उन्हें हिटलर के प्रति वफादार बनाना, जर्मन श्रेष्ठता में विश्वास दिलाना, और यहूदियों से घृणा करना।
  • युवा संगठनों का उपयोग नाजी विचारधारा फैलाने के लिए किया गया।
- यहूदियों को जर्मनी की समस्याओं के लिए दोषी ठहराया गया और बेरहमी से सताया गया।

## 7. उत्पीड़न और नरसंहार

- Nuremberg Laws: यहूदियों के अधिकारों को खत्म कर दिया गया। Kristallnacht (1938): यहूदियों और उनकी संपत्ति पर हमले। होलोकॉस्ट: एकाग्रता शिविरों में 6 मिलियन यहूदियों की व्यवस्थित हत्या।

## 8. द्वितीय विश्व युद्ध और हिटलर की मृत्यु

- हिटलर की विस्तारवादी नीति ने द्वितीय विश्व युद्ध (1939) की शुरुआत की।
- 1945 में जर्मनी की हार हुई।
- हिटलर ने आत्महत्या कर ली; नाजी शासन समाप्त हो गया

द्वितीय विश्व युद्ध

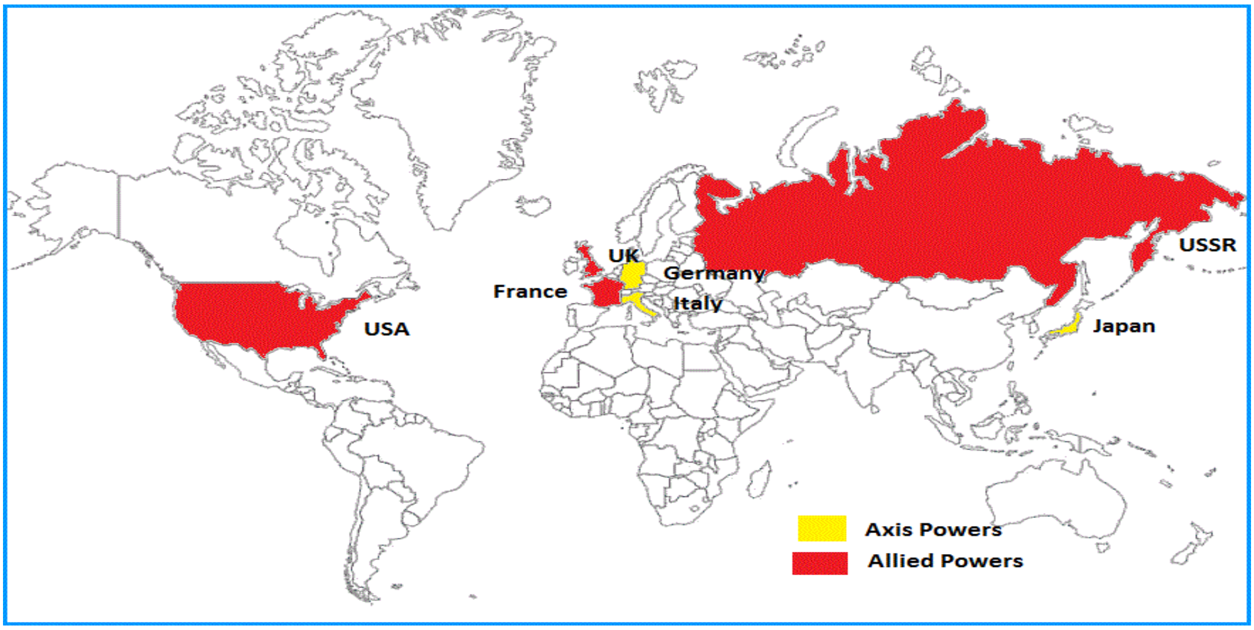


**बहुविकल्पीय प्रश्न-**

प्रश्न 1. अभिकथन (A): नाजी विचारधारा सभी नागरिकों के लिए समानता और लोकतंत्र में विश्वास करती थी।

कारण (R): हिटलर का उद्देश्य नस्लीय रूप से शुद्ध जर्मन समाज की स्थापना करना था और वह आर्यों को श्रेष्ठ मानता था

A. A और R दोनों सत्य हैं, तथा R, A का सही स्पष्टीकरण है।

B. A और R दोनों सत्य हैं, लेकिन R, A का सही स्पष्टीकरण नहीं है।

C. A सत्य है, लेकिन R असत्य है।

D. A असत्य है, लेकिन R सत्य है।

सही उत्तर-D

प्रश्न 2. अभिकथन (A): वाइमर गणराज्य का जर्मन समाज के सभी वर्गों द्वारा स्वागत किया गया था।

कारण (R): वाइमर गणराज्य को वर्साय की संधि की अपमानजनक शर्तों को स्वीकार करने के लिए दोषी ठहराया गया था।

A. A और R दोनों सत्य हैं, तथा R, A का सही स्पष्टीकरण है।

B. A और R दोनों सत्य हैं, लेकिन R, A का सही स्पष्टीकरण नहीं है।

C. A सत्य है, लेकिन R असत्य है।

D. A असत्य है, लेकिन R सत्य है।

सही उत्तर-D

**अति लघु उत्तर प्रकार के प्रश्न**

प्रश्न-1. 1929की वैश्विक आर्थिक मंदी ने जर्मनी में रोज़गार को किस प्रकार प्रभावित किया? इसके आर्थिक प्रभाव को दर्शाने के लिए एक उदाहरण दीजिए।

**संकेत-** जर्मनी को महामंदी के दौरान बड़े पैमाने पर बेरोजगारी का सामना करना पड़ा, 1932 तक लगभग 6 मिलियन लोग बेरोजगार हो गए।

प्रश्न-2 नाजी जर्मनी में 'गेस्टापो' की क्या भूमिका थी?

संकेत- गेस्टापो नाजी जर्मनी में गुप्त पुलिस थी, जिसका उपयोग विपक्ष को दबाने और नाजी नीतियों को लागू

करने के लिए किया जाता था।

**लघु उत्तरीय प्रश्न**

प्रश्न-1. नाजी शासन ने जर्मन युवाओं को नियंत्रित करने और प्रभावित करने के लिए प्रचार का उपयोग किन तरीकों से किया? किसी एक तरीके का उदाहरण सहित मूल्यांकन कीजिए।

**संकेत**-स्कूलों में नाजी विचारधारा पढ़ाई जाती थी। प्रशिक्षण के लिए हिटलर यूथ जैसे युवा संगठनों का इस्तेमाल किया जाता था। हिटलर के प्रति वफादारी, अनुशासन और यहूदियों और कम्युनिस्टों के प्रति घृणा पर जोर दिया जाता था

प्रश्न-2. एडोल्फ हिटलर ने 1933 के बाद जर्मनी को तानाशाही में कैसे बदल दिया? उनके द्वारा उठाए गए किसी भी तीन प्रमुख कदमों की पहचान कीजिए और समझाइए कि प्रत्येक कदम ने उनके सत्ता पर नियंत्रण को कैसे मजबूत किया।

**संकेत**-नाजी पार्टी को छोड़कर सभी राजनीतिक दलों पर प्रतिबंध लगा दिया। प्रेस को नियंत्रित किया और प्रचार का इस्तेमाल किया। विपक्ष के लिए गुप्त पुलिस (गेस्टापो) और एकाग्रता शिविर स्थापित किए।

**दीर्घ उत्तरीय प्रश्न**

प्रश्न-1. हिटलर और नाज़ी पार्टी के जर्मनी में सत्ता में आने के प्रमुख कारणों का विश्लेषण कीजिए। उन्होंने जन असंतोष और राष्ट्रीय समस्याओं का लाभ कैसे उठाया?

**संकेत**-वर्साय की संधि और इसकी अपमानजनक शर्तें। प्रथम विश्व युद्ध और महामंदी के बाद की आर्थिक कठिनाई। वाइमर गणराज्य की कमज़ोरी। प्रचार का उपयोग और हिटलर का करिश्माई नेतृत्व। राष्ट्रवादी और यहूदी विरोधी विचारधाराएँ

# अध्याय – 1
# भारत: आकार और स्थिति

## अध्याय का सार

### भारत आकार और स्थिति-

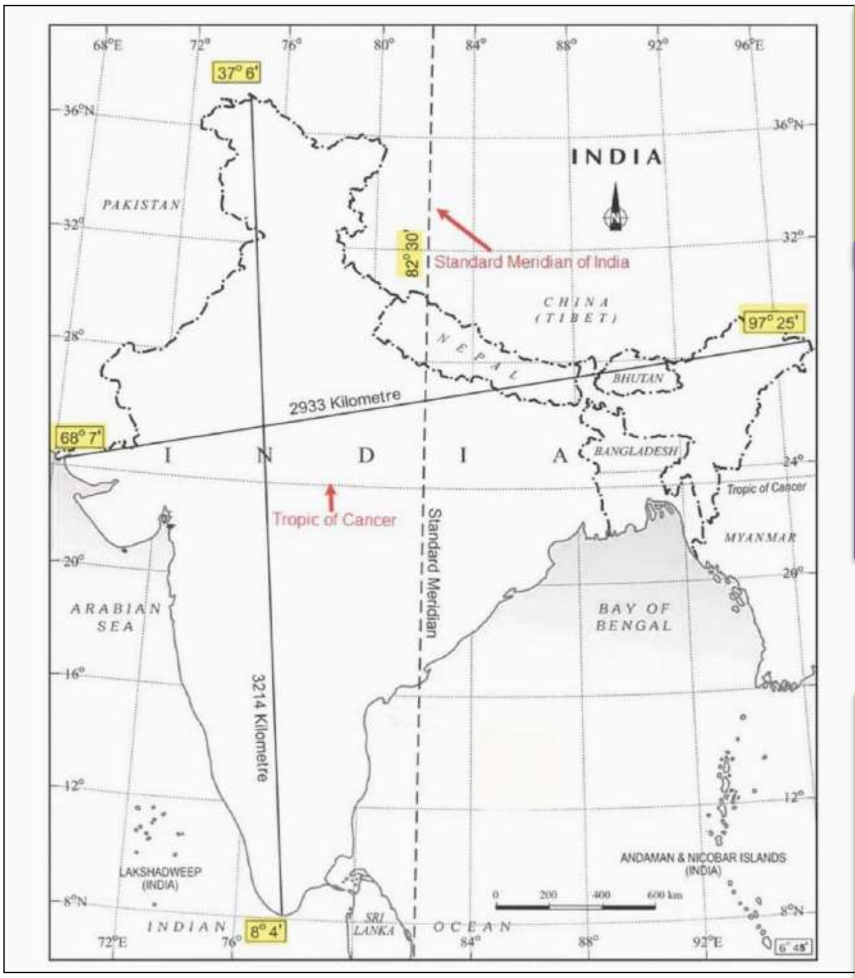


भारत पूरी तरह से उत्तरी गोलार्ध में स्थित है। अक्षांशीय विस्तार: 8°4'N से 37°6'N और देशांतर विस्तार: 68°7'E से 97°25'E

कुल क्षेत्रफल: 3.28 मिलियन वर्ग किलोमीटर, भारत दुनिया का सातवां बड़ा देश है। भूमि सीमा: लगभग 15,200 किमी तटरेखा की कुल लंबाई: 7,516.6 किमी (द्वीपों सहित)

विश्व के कुल भौगोलिक क्षेत्रफल का लगभग 2.4%,भारत की जनसंख्या 1.4 अरब से अधिक

भारत के पड़ोसी देश
उत्तर-पश्चिम: पाकिस्तान, अफगानिस्तान
उत्तर: चीन, नेपाल, भूटान
पूर्व: बांग्लादेश, म्यांमार
समुद्री पड़ोसी: श्रीलंका और मालदीव

**भारत के लिए हिंद महासागर का महत्व**

- रणनीतिक स्थिति
- अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मार्ग
- संसाधनों की उपलब्धता मछली पकड़ना और नौवहन

**हिंद महासागर के लिए भारत का महत्व**

भू-राजनीतिक प्रभाव नौसैनिक शक्ति

- महाद्वीपों के बीच सेतु
- सांस्कृतिक और आर्थिक आदान- प्रदान

**भारत की मानक देशांतर रेखा**

- पृथ्वी 24 घंटे में 360° घूमती है, अर्थात हर घंटे 15° घूमती है।इसका मतलब है कि प्रत्येक 15° देशांतर पर 1 घंटे का समय अंतर होता है।
- भारत की मानक देशांतर रेखा: 82°30'E, जो उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर से गुजरती है।इस रेखा पर स्थित समय को भारतीय मानक समय (IST) माना जाता है।
- IST, ग्रीनविच मीन टाइम (GMT+5:30) से 5 घंटे 30 मिनट आगे है।

**मानक समय का महत्व**

- अलग-अलग स्थानीय समय के कारण होने वाले भ्रम से बचाव
- पूरे देश में एक समान समय बनाए रखना
- रेलवे, विमान, संचार और प्रशासन के लिए उपयोगी

**शब्दावली (Vocabulary)**

- **प्रायद्वीप (Peninsula)**: ऐसा स्थल जो तीन ओर से जल से घिरा हो।
- **रणनीतिक स्थिति (Strategic Location)**: वह स्थान जो अपने भू-स्थान के कारण महत्वपूर्ण होता है।
- **जलडमरूमध्य (Strait):** एक संकरा जलमार्ग जो दो बड़े जल पिंडों (जैसे समुद्र या महासागर) को जोड़ता है और दो स्थलखंडों को अलग करता है।

**बहुविकल्पीय प्रश्न -**

Q.1. अभिकथन (A): पाकिस्तान भारत के उत्तर-पश्चिम में स्थित है।

कारण (R): बांग्लादेश भारत के साथ अपनी पूर्वी सीमा साझा करता है।

विकल्प-

A. A और R दोनों सत्य हैं, और R, A का सही स्पष्टीकरण है।

B. A और R दोनों सत्य हैं, लेकिन R, A का सही स्पष्टीकरण नहीं है।

C. A सत्य है, लेकिन R असत्य है।

D. A असत्य है, लेकिन R सत्य है।

**उत्तर: b) A और R दोनों सत्य हैं, लेकिन R, A का सही स्पष्टीकरण नहीं है।**

Q.2. कॉलम का मिलान करें – भारत और उसके पड़ोसी देश

| **कॉलम A** | **कॉलम B** |
|---|---|
| A. नेपाल | 1. भारत के साथ भूमि सीमा साझा करता है |
| B. अफ़गानिस्तान | 2. POK के माध्यम से एक बहुत छोटी भूमि सीमा साझा करता है |
| C. श्रीलंका | 3. भारत के साथ भूमि सीमा साझा नहीं करता है |
| D. भूटान | 4. भूमि से घिरा पड़ोसी |

उत्तर: A – 1, B – 2, C – 3, D – 4

**अति लघु उत्तरीय प्रश्न-**

Q.1. हिंद महासागर में भारत की केंद्रीय स्थिति उसके व्यापारिक संबंधों को कैसे लाभ देती है?

संकेत: भारत को अफ्रीका, यूरोप (पश्चिम) और दक्षिण-पूर्व एशिया (पूर्व) से जोड़ती है; समुद्री व्यापार और ऐतिहासिक संबंधों में सहायक।

Q.2. भारत को उपमहाद्वीप क्यों कहा जाता है? कोई दो कारण बताइए।

संकेत: विशाल क्षेत्रफल और विशिष्ट भौगोलिक विशेषताएँ; सांस्कृतिक व भौगोलिक विविधता।

**लघु उत्तरीय प्रश्न -**

Q.1. भारत का पूर्व-पश्चिम विस्तार बहुत अधिक होते हुए भी यहाँ एक ही समय क्षेत्र क्यों है?

संकेत: संचार, परिवहन और प्रशासन में एकरूपता बनाए रखने के लिए।

**दीर्घ उत्तरीय प्रश्न -**

Q.1. "हिंद महासागर के सिर पर स्थित भारत का स्थान भौगोलिक और रणनीतिक दोनों दृष्टिकोणों से महत्वपूर्ण है।" इस कथन की विस्तारपूर्वक व्याख्या कीजिए।

संकेत: भारत हिंद महासागर के केंद्र में स्थित है; यह पूर्व, पश्चिम और दक्षिण के बीच व्यापारिक मार्गों को जोड़ता है; समुद्री मार्गों और सुरक्षा को नियंत्रित करने में सहायक; सांस्कृतिक और व्यापारिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देता है; रणनीतिक और भू-राजनीतिक लाभ प्रदान करता है।

## अध्याय 2
## भारत का भौतिक स्वरूप

**अध्याय का सार**

**1. हिमालय पर्वत श्रृंखला का निर्माण:**

- भूवैज्ञानिक रूप से युवा और संरचनात्मक रूप से वलित पर्वत हैं, भारतीय प्लेट और यूरेशियन प्लेट की टक्कर से बने।
- **विस्तार**: भारत की उत्तरी सीमाओं पर, सिंधु से ब्रह्मपुत्र तक फैले, लगभग 2,400 किमी का चाप बनाते हैं। **चौड़ाई:** कश्मीर में लगभग 400 किमी, अरुणाचल प्रदेश में 150 किमी।
- ऊँचाई में अंतर: पूर्वी भाग में अधिक, पश्चिमी भाग में कम।

**समानांतर श्रेणी (Parallel Ranges)**

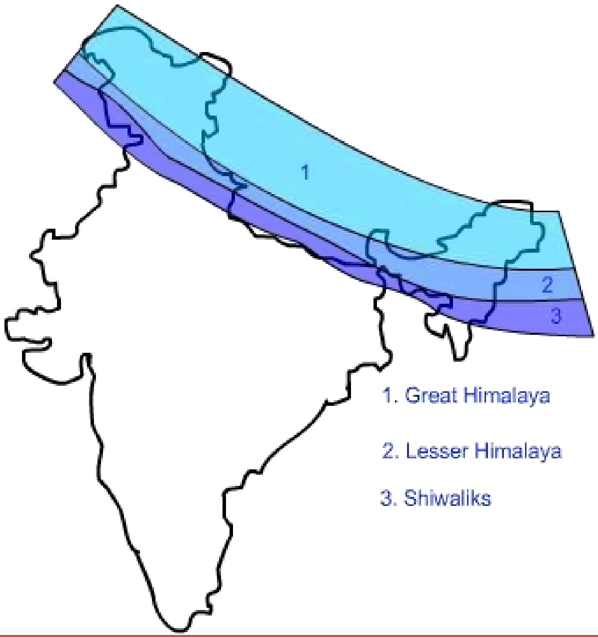


**क्षेत्रीय विभाजन (पश्चिम से पूर्व)**

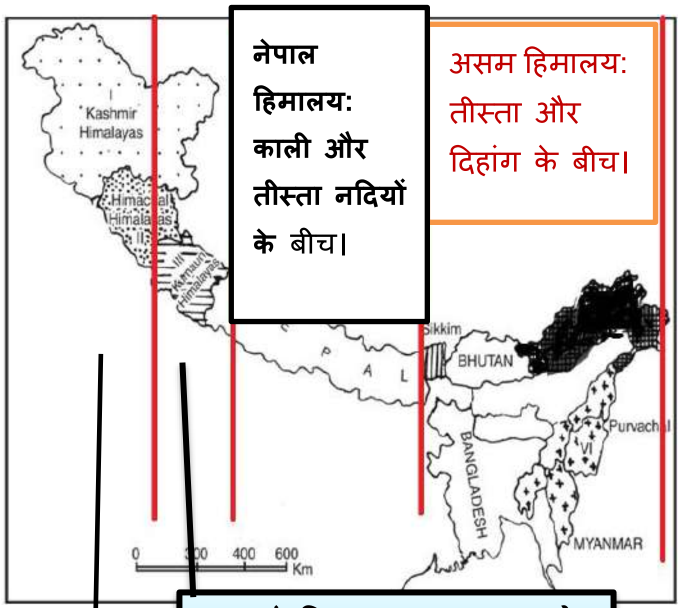


**नेपाल हिमालय:** काली और तीस्ता नदियों के बीच।

असम हिमालय: तीस्ता और दिहांग के बीच।

**कुमाऊँ हिमालय: सतलुज और काली नदियों के बीच।**

**पंजाब हिमालय: सिंधु और सतलुज के बीच।**

**1.महान हिमालय (हिमाद्रि): उत्तरीतम श्रृंखला, सबसे ऊँची व सतत, औसत ऊँचाई 6000 मीटर, ग्रेनाइट से बनी, हमेशा बर्फ से ढकी, अनेक हिमनद पाए जाते हैं।**

**2.मध्य हिमालय (हिमाचल): हिमाद्रि के दक्षिण में, अत्यंत कठोर, संकुचित व परिवर्तित चट्टानों से बनी, ऊँचाई 3700-4500 मीटर, औसत चौड़ाई 50 किमी, प्रमुख श्रृंखलाएँ - पीर पंजाल,धौलाधार, महाभारत। प्रसिद्ध घाटियाँ - कश्मीर, कांगड़ा, कुल्लू।**

**3.शिवालिक (बाहरी हिमालय): सबसे बाहरी श्रृंखला, चौड़ाई 10-50 किमी, ऊँचाई 900-1100 मीटर, असंघटित अवसादों से बनी, रेखीय घाटियाँ जिन्हें "दून" कहते हैं (जैसे देहरादून, कोटली दून)।**

**पूर्वांचल**: दिहांग घाटी के बाद अचानक दक्षिण की ओर मुड़ते हैं, भारत की पूर्वी सीमा के साथ फैले, मजबूत बलुआ पत्थरों से बने, घने जंगलों से ढके, प्रमुख पहाड़ियाँ - पटकाई बुम , नागा, मणिपुर, मिजो।

**2. उत्तरी मैदान-**

- निर्माण: सिंधु, गंगा और ब्रह्मपुत्र नदियों व उनकी सहायक नदियों द्वारा लाए गए जलोढ़ अवसादों से बना।
- विस्तार: 7 लाख वर्ग किमी क्षेत्रफल, लगभग 2400 किमी लंबा व 240-320 किमी चौड़ा।
- महत्व: घनी आबादी वाला, कृषि की दृष्टि से अत्यंत उपजाऊ, समृद्ध मृदा, जल की प्रचुरता व अनुकूल जलवायु। "देश का अन्न भंडार" कहा जाता है।

**प्रमुख भाग:**

- पंजाब मैदान: सिंधु व उसकी सहायक नदियाँ (झेलम, चिनाब, रावी, ब्यास, सतलुज)। अधिकतर भाग पाकिस्तान में, 'दोआब' प्रमुख विशेषता।

- गंगा मैदान: हरियाणा, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल में फैला।
- ब्रह्मपुत्र मैदान: असम राज्य में स्थित।

**स्थलीय भिन्नताएँ:**

- भाभर: नदियों द्वारा लाए गए कंकड़-पत्थरों की पट्टी, नदियाँ यहाँ अदृश्य हो जाती हैं।
- तराई: भाभर के नीचे दलदली व वन्य क्षेत्र, जहाँ नदियाँ पुनः सतह पर आती हैं। (जैसे दुधवा राष्ट्रीय उद्यान)।
- भांगर: पुराना जलोढ़ मैदान, थोड़ा ऊँचा व कम उपजाऊ।
- खादर: नया, हर साल बनने वाला उपजाऊ मैदान, गहन खेती के लिए उपयुक्त।

**3. प्रायद्वीपीय पठार-**

- निर्माण: पुरानी आग्नेय, क्रिस्टलीय व रूपांतरण चट्टानों से बना। गोंडवाना भूमि के टूटने व सरकने से बना।
- विशेषताएँ: चौड़ी घाटियाँ, गोलाकार पहाड़ियाँ।
- **मध्य उच्चभूमि**: नर्मदा नदी के उत्तर में, मालवा पठार, अरावली (उत्तर-पश्चिम) व विंध्याचल (दक्षिण) से घिरा। नदियाँ (चंबल, सिंध, बेतवा, केन) दक्षिण-पश्चिम से उत्तर-पूर्व की ओर बहती हैं। बुंदेलखंड, बघेलखंड, छोटा नागपुर पठार सम्मिलित।
- **दक्कन पठार**: नर्मदा के दक्षिण में त्रिकोणीय क्षेत्र, सतपुड़ा व मैकाल पर्वतमालाओं से घिरा, पश्चिम में ऊँचा, पूर्व में ढाल। मेघालय, कार्बी-आंगलोंग, उत्तर कछार पहाड़ियाँ भी इसमें आती हैं।
- **दक्कन ट्रैप**: काली मृदा वाला ज्वालामुखीय क्षेत्र।

| पश्चिमी घाट | पूर्वी घाट |
|---|---|
| **पश्चिमी तट के समानांतर, सतत, पूर्वी घाटों से ऊँचा, पर्वतीय वर्षा ,अनामुड़ी (2,695 मी), डोड्डाबेट्टा (2,637मी)।** | **खंडित, नदियों से काटा गया, महेन्द्रगिरी (1,501 मी) सर्वोच्च चोटी।** |

**4. भारतीय मरुस्थल (थार रेगिस्तान)-**

- ❖ स्थान: अरावली पर्वत के पश्चिमी किनारे पर।
- ❖ विशेषताएं: असमतल रेतीले मैदान, बालू के टिब्बे।
- ❖ जलवायु: शुष्क, वर्षा बहुत कम (150 मिमी से कम)।
- ❖ वनस्पति: विरल।

- नदी: लूनी एकमात्र प्रमुख नदी, अन्य धाराएँ वर्षा ऋतु में बनती हैं और जल्दी रेत में लुप्त हो जाती हैं।
- बालू के टिब्बे: बारखान (आर्धचंद्राकार)।

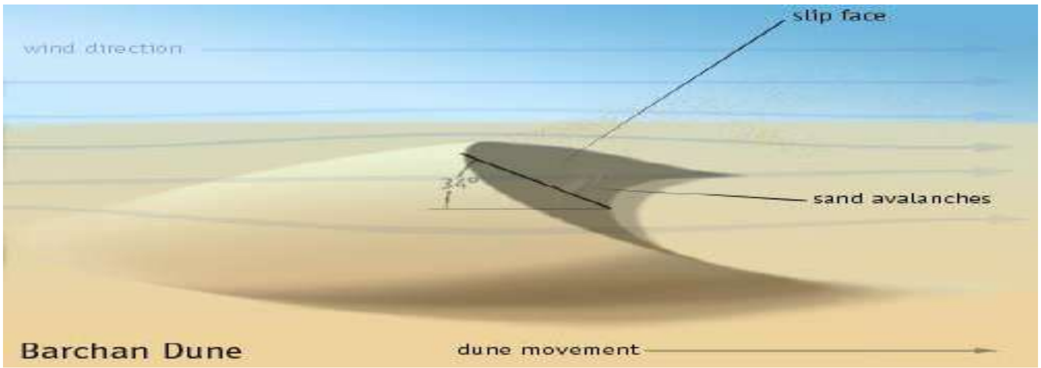


5. **तटीय मैदान -** निर्माण: प्रायद्वीपीय पठार और समुद्र के बीच की संकरी पट्टी।

- पश्चिमी तटीय मैदान: पश्चिमी घाट व अरब सागर के बीच, संकीर्ण। क्षेत्र: कोंकण (मुंबई से गोवा), कन्नड़ मैदान, मालाबार तट।
- पूर्वी तटीय मैदान: पूर्वी घाट व बंगाल की खाड़ी के बीच, चौड़ा व समतल। क्षेत्र: उत्तरी सिरकार व कोरोमंडल तट।
- मुख्य डेल्टा: महानदी, गोदावरी, कृष्णा, कावेरी।
- चिल्का झील: ओडिशा में स्थित, भारत की सबसे बड़ी खारे पानी की झील।

6. द्वीप समूह (Islands)

- लक्षद्वीप द्वीप: अरब सागर में केरल के पास, प्रवाल द्वीप, क्षेत्रफल 32 वर्ग किमी, राजधानी कवरत्ती, पिट्टी द्वीप - पक्षी अभयारण्य।
- अंडमान-निकोबार द्वीप: बंगाल की खाड़ी में स्थित, दो भाग - अंडमान (उत्तर) व निकोबार (दक्षिण), समुद्री पर्वतों के ऊँचे भाग, जैव विविधता, विषुवतीय जलवायु, घने वन। भारत का एकमात्र सक्रिय ज्वालामुखी - बैरन द्वीप।

**बहुविकल्पीय प्रश्न-**

**Q.1** एक पर्यटक हिमालय में ट्रेकिंग यात्रा की योजना बना रहा है। निम्नलिखित में से कौन-सी श्रृंखला सबसे अधिक चुनौतीपूर्ण चढ़ाई, स्थायी हिम व ग्रेनाइट चट्टानों से युक्त है?

A) शिवालिक B) हिमाचल C) हिमाद्रि D) पूर्वाचल

उत्तर – C) हिमाद्रि

**Q.2** निम्नलिखित में से कौन-सा कथन पश्चिमी घाट व पूर्वी घाट के बीच मुख्य अंतर को दर्शाता है?

A) पश्चिमी घाट की ऊँचाई कम है, पूर्वी घाट ऊँचा है।

B) पश्चिमी घाट सतत है, पूर्वी घाट खंडित हैं।

C) पश्चिमी घाट वर्षा छाया क्षेत्र बनाते हैं, पूर्वी घाट नहीं।

D) पश्चिमी घाट पूर्वी घाट से पुराने हैं।

उत्तर – B) पश्चिमी घाट सतत है, पूर्वी घाट खंडित हैं।

**Q.3** आप एक मानचित्र देख रहे हैं और शिवालिक व हिमाचल के बीच एक लम्बवत घाटी देखते हैं। इसे क्या कहा जाएगा?

A) दोआब B) तराई C) दून D) भाभर

उत्तर – C) दून

**प्रश्न:4 कथन (A):** भारत के तटीय मैदान पश्चिम में संकरे और पूर्व में चौड़े हैं।

**कारण (R):** महा नदी, गोदावरी, कृष्णा, और कावेरीजैसी प्रमुख नदियाँ पूर्वी तट पर डेल्टा बनाती हैं।

**विकल्प:**

a) A और R दोनों सही हैं, और R, A की सही व्याख्या है।

b) A और R दोनों सही हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है।

c) A सही है, लेकिन R गलत है।

d) A गलत है, लेकिन R सही है।

**उत्तर:** b) A और R दोनों सही हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है।

**लघु उत्तरीय प्रश्न -**

Q.1 भारतीय मरुस्थल की दो प्रमुख विशेषताएँ बताइए और यह समझाइए कि वे क्षेत्र के जीवन और पर्यावरण को कैसे प्रभावित करती हैं।

**संकेत:** प्रमुख स्थलाकृति व जलवायु विशेषता को ध्यान में रखें और यह बताएँ कि ये जल, वनस्पति और मानव गतिविधियों पर कैसे प्रभाव डालती हैं।

Q.2 "भारत का प्रत्येक भौतिक विभाग विशिष्ट विशेषताओं से युक्त है और देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।"इस कथन को दो प्रमुख भौतिक विभागों के उदाहरण द्वारा सही ठहराइए।

संकेत: उदाहरण के लिए हिमालय व उत्तरी मैदान चुनें। इनके भौतिक लक्षणों (पर्वत, नदी, मृदा) और जलवायु, कृषि, संसाधन व मानव जीवन पर इनके प्रभावों पर चर्चा करें।

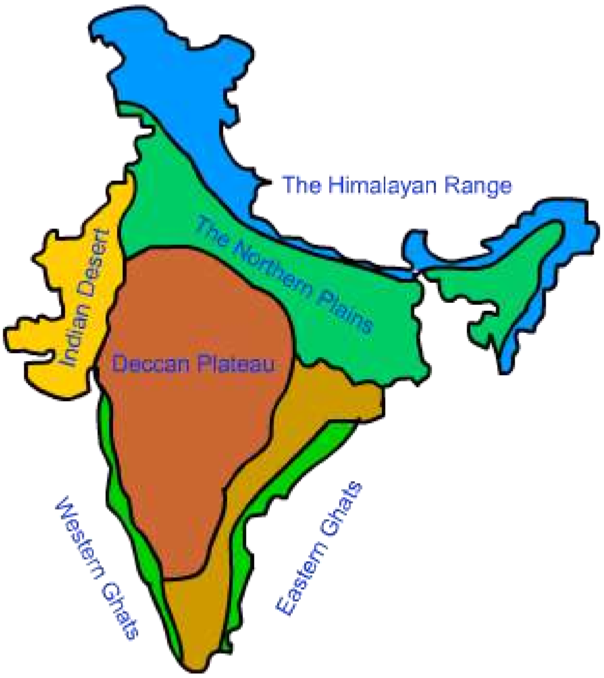


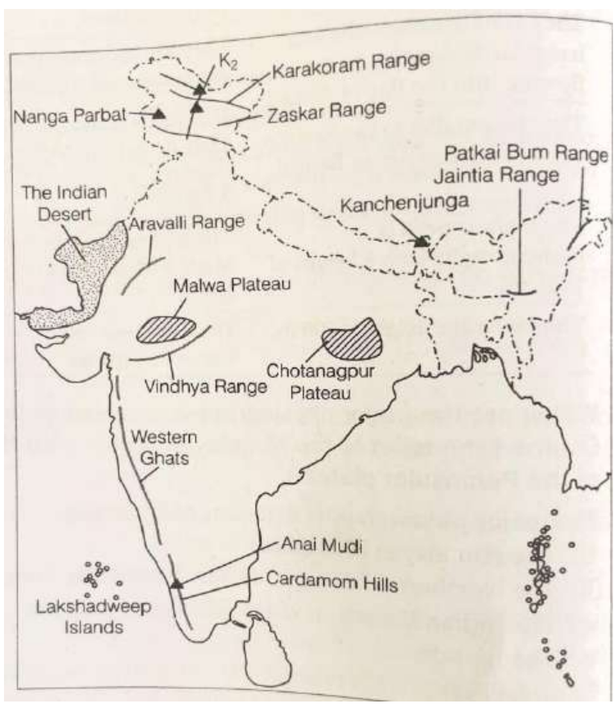

# अध्याय – 3
# अपवाह तंत्र

## अध्याय का सार

❖ **अपवाह तंत्र**-किसी क्षेत्र में जल का सुव्यवस्थित जलमार्गों के माध्यम से बहना ही अपवाह तंत्र कहलाता है।

❖ **अपवाह बेसिन** / नदी बेसिन वह क्षेत्र जहाँ एक मुख्य नदी और उसकी सहायक नदियाँ मिलकर जल एकत्र करती हैं, उसे नदी बेसिन या अपवाह बेसिन कहा जाता है।

❖ **जल विभाजक (Water Divide)** कोई भी ऊँचा भाग (जैसे पर्वत या पठारी क्षेत्र) जो दो पास-पास के अपवाह बेसिनों को अलग करता है, जल विभाजक कहलाता है।

भारत की प्रमुख नदियाँ: संक्षिप्त सारांश

| नदी का प्रकार | नदी का नाम | लंबाई (लगभग) | उद्गम स्थान | मुहाना (गिरती है) | प्रमुख सहायक नदियाँ (कुछ) |
|---|---|---|---|---|---|
| हिमालयी | सिंधु | 2900 किमी | तिब्बत | अरब सागर | झेलम, चिनाब, सतलुज |
| | गंगा | 2500 किमी | गंगोत्री हिमनद | बंगाल की खाड़ी | यमुना, घाघरा, कोसी |
| | ब्रह्मपुत्र | 2900 किमी | तिब्बत | बंगाल की खाड़ी | दिबांग, लोहित, तीस्ता |
| प्रायद्वीपीय | नर्मदा | 1312 किमी | अमरकंटक पहाड़ियाँ | अरब सागर | तवा, हिरन |
| | तापी | 724 किमी | सतपुड़ा श्रेणी | अरब सागर | पूर्णा, गिरना |
| | गोदावरी | 1500 किमी | पश्चिमी घाट | बंगाल की खाड़ी | प्राणहिता, मांजरा, इंद्रावती |
| | महानदी | 860 किमी | छत्तीसगढ़ | बंगाल की खाड़ी | शिवनाथ, हसदेव |
| | कृष्णा | 1400 किमी | पश्चिमी घाट | बंगाल की खाड़ी | तुंगभद्रा, भीमा, मूसी |
| | कावेरी | 760 किमी | पश्चिमी घाट | बंगाल की खाड़ी | अमरावती, भवानी |

### बारहमासी बनाम मौसमी नदियाँ

| विशेषता | बारहमासी नदियाँ (Perennial Rivers) | मौसमी नदियाँ (Seasonal Rivers) |
|---|---|---|
| प्रवाह अवधि | पूरे वर्ष बहती हैं। | मुख्य रूप से वर्षा ऋतु में बहती हैं; शुष्क मौसम में सूख सकती हैं। |
| जल का मुख्य स्रोत | वर्षा और बर्फ/ग्लेशियरों का पिघलना। | मुख्य रूप से वर्षा (मानसून)। |
| जल की उपलब्धता | जल की आपूर्ति निरंतर और विश्वसनीय रहती है। | जल की आपूर्ति में उतार-चढ़ाव होता है; मानसून पर निर्भर। |
| स्थान (भारत में) | अधिकतर हिमालयी क्षेत्र (उत्तर भारत)। | अधिकतर प्रायद्वीपीय पठार (मध्य और दक्षिण भारत)। |
| नदी मार्ग | गहरे, सुस्पष्ट और स्थिर मार्ग। | चौड़े, उथले और कम सुस्पष्ट मार्ग। |
| उदाहरण (भारत में) | गंगा, यमुना, सिंधु, ब्रह्मपुत्र। | गोदावरी, कृष्णा, कावेरी, नर्मदा, तापी। |

**झीलें-**

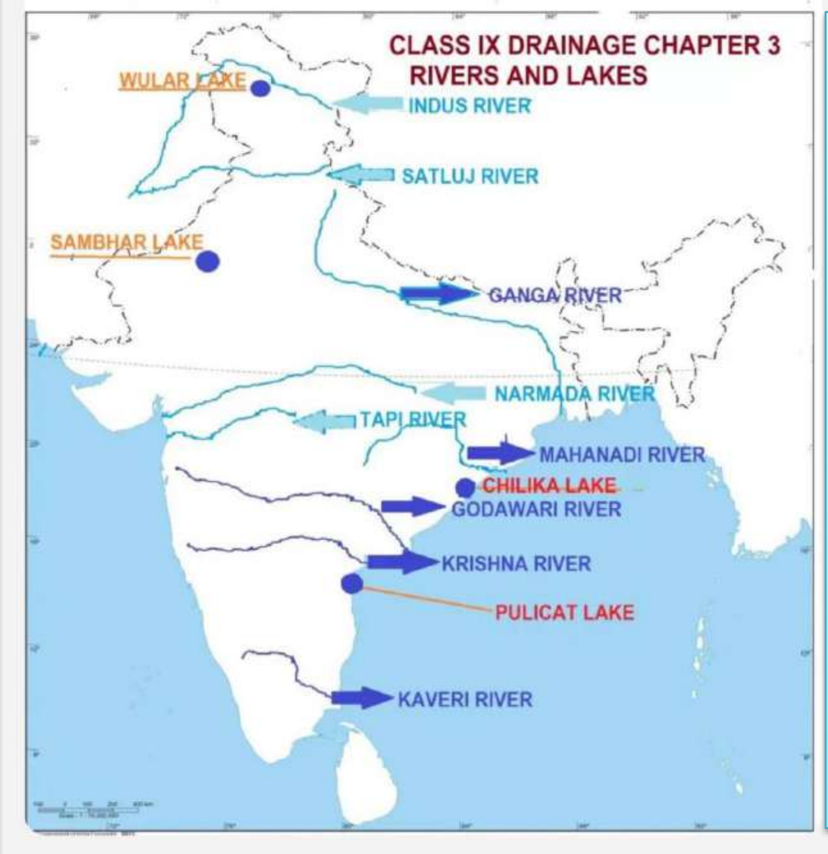


**लगून झीलें**- चिल्का झील (ओडिशा): भारत की सबसे बड़ी खारे पानी की झील ,पुलिकट झील, कोलेरू झील: अन्य खारे पानी की झीलें।
**मीठे पानी की झीलें**- डल झील (जम्मू-कश्मीर), लोकटक झील, बरापानी: अन्य ज्वालामुखीय गड्ढों से बनी झीलें: लोनार झील (महाराष्ट्र)
**मानव निर्मित झीलें:** गुरु गोबिंद सागर (भाखड़ा नांगल परियोजना)
**वुलर झील** (जम्मू-कश्मीर): भारत की सबसे बड़ी प्राकृतिक मीठे पानी की झील (**भूकंपीय गतिविधियों से बनी**)।

**अर्थव्यवस्था में नदियों की भूमिका**

- ❖ नदियाँ मानव इतिहास में हमेशा से महत्वपूर्ण रही हैं।
- ❖ नदी घाटियाँ और मैदान उपजाऊ भूमि प्रदान करते हैं जो कृषि के लिए उपयुक्त है।
- ❖ सिंचाई, नौवहन, जल विद्युत उत्पादन और मत्स्य पालन में सहायक।
- ❖ नगरीकरण और औद्योगीकरण को भी बढ़ावा देती हैं।
- ❖ व्यापार और परिवहन के लिए महत्वपूर्ण मार्ग प्रदान करती हैं।

**बहुविकल्पीय प्रश्न (Multiple Choice Questions)**

Q.1 प्रश्न 2. अभिकथन (A): गर्मी के मौसम में गंगा और यमुना जैसी नदियों का जल स्तर बढ़ जाता है।
कारण (R): गर्मियों के दौरान हिमालय के ग्लेशियरों से बर्फ पिघलती है और इन नदियों में बहती है।
विकल्प:
a) A और R दोनों सत्य हैं, और R, A का सही स्पष्टीकरण है।
b) A और R दोनों सत्य हैं, लेकिन R, A का सही स्पष्टीकरण नहीं है।
c) A सत्य है, लेकिन R असत्य है।
d) A असत्य है, लेकिन R सत्य है।
**उत्तर: a) A और R दोनों सत्य हैं, और R, A का सही स्पष्टीकरण है।**

Q.2. गर्मियों में गंगा और यमुना जैसी नदियों का जल स्तर क्यों बढ़ जाता है?
A. उत्तर भारत के मैदानों में भारी वर्षा के कारण B. हिमालयी हिमनदों (ग्लेशियरों) के पिघलने से

C. भूजल के स्तर में वृद्धि से D. झीलों से जल का बहाव

उत्तर: B. हिमालयी हिमनदों के पिघलने से

**लघु उत्तरीय प्रश्न-**

Q.1. एक दूरस्थ गाँव में एक प्राकृतिक मीठे पानी की झील को स्थानीय समुदाय पवित्र मानता है। धार्मिक महत्व से परे, इस झील के दो व्यावहारिक लाभ बताइए जो इसे आर्थिक और पारिस्थितिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण बनाते हैं।

संकेत: झील का पानी पीने, सिंचाई, पशुपालन, मछली पालन में उपयोग होता है। साथ ही जल संग्रहण, जलवायु संतुलन, जैव विविधता का संरक्षण करती है।

Q.2. रवि, पंजाब का एक छात्र, ने देखा कि गर्मियों में नजदीकी नदियों का जल स्तर बहुत बढ़ जाता है। हिमालयी नदियों के संदर्भ में इसका कारण समझाइए।

संकेत: हिमालयी नदियाँ हिमनदों से निकलती हैं; गर्मियों में बर्फ पिघलने से नदी में जल का प्रवाह बढ़ जाता है।

**केस आधारित प्रश्न-**

प्रकरण: प्रायद्वीपीय नदियाँ जैसे नर्मदा, तापी, महानदी और गोदावरी पश्चिमी घाट या केंद्रीय उच्चभूमियों से निकलती हैं। इनमें से अधिकांश नदियाँ वर्षा पर आधारित होती हैं और मौसमी होती हैं। नर्मदा और तापी पश्चिम की ओर बहती हैं और संकरी घाटियाँ बनाती हैं, जबकि गोदावरी और महानदी पूर्व की ओर बहती हैं और अपने मुहानों पर डेल्टा बनाती हैं।

प्रश्न: जल उपलब्धता के आधार पर प्रायद्वीपीय नदियाँ हिमालयी नदियों से कैसे भिन्न हैं?

प्रकरण में कौन-सी दो नदियाँ पश्चिम की ओर बहती हैं और इनकी घाटियों की विशेषता क्या है?

तटीय क्षेत्रों के लिए डेल्टा क्यों महत्वपूर्ण होते हैं?

संकेत:हिमालयी नदियाँ बर्फ और बारिश दोनों से जल प्राप्त करती हैं, जबकि प्रायद्वीपीय नदियाँ मुख्यतः वर्षा पर निर्भर होती हैं।नर्मदा और तापी पश्चिम की ओर बहती हैं और संकरी, गहरी घाटियाँ बनाती हैं।डेल्टा उपजाऊ होते हैं, कृषि और जनसंख्या के लिए उपयुक्त, तटीय पारिस्थितिकी को सहारा देते हैं।

## अध्याय – 4

## जलवायु

**अध्याय का सार**

**मौसम और जलवायु में अंतर**

**मौसम-**वायुमंडल की दिन-प्रतिदिन की स्थिति। इसमें तापमान, पवन, वर्षा, आर्द्रता शामिल हैं।

यह बार-बार बदलता रहता है।

**जलवायु -** लंबे समय (30-40 वर्ष) की औसत मौसम स्थिति।

अधिक स्थायी और अनुमान योग्य होती है।

**मौसम और जलवायु के घटक**

तापमान, वायुमंडलीय दबाव, पवन, आर्द्रता, वर्षण (जैसे वर्षा, हिमपात आदि)

**भारतीय मानसून**

**मानसून परिभाषा:** पवनों की दिशा में ऋतुगत परिवर्तन।

**मानसून की उत्पत्ति:**

- ❖ स्थल और समुद्र की विषम गर्मी।
- ❖ इंटर ट्रॉपिकल कन्वर्जेंस ज़ोन (ITCZ) का खिसकना।
- ❖ हिंद महासागर के ऊपर उच्च दाब क्षेत्र।
- ❖ जेट स्ट्रीम्स और तिब्बती पठार की उपस्थिति।

## भारतीय मानसून को प्रभावित करने वाले कारक

| कारक | विवरण | उदाहरण/प्रभाव |
|---|---|---|
| अक्षांश | भूमध्य रेखा के सापेक्ष स्थिति | कर्क रेखा भारत को उष्णकटिबंधीय और उपोष्णकटिबंधीय में विभाजित करती है |
| ऊँचाई (समुद्र तल से) | समुद्र तल से ऊँचाई | हिमालय मध्य एशिया से आने वाली ठंडी हवाओं को रोकता है |
| दबाव और हवाएँ | वायुमंडलीय दबाव प्रणाली और वायु की गति | मॉनसून, जेट स्ट्रीम |
| समुद्र से दूरी | पानी के बड़े निकायों से निकटता | मुंबई (मध्यम), दिल्ली (अत्यधिक) |
| महासागरीय धाराएँ | समुद्री जल की गति | तटीय तापमान और वर्षा को प्रभावित करती हैं |
| उच्चावच विशेषताएँ | भूमि की भौतिक विशेषताएँ (पहाड़, पठार, आदि) | पहाड़ और पठार स्थानीय जलवायु को प्रभावित करते हैं |

## भारत की ऋतुएँ

### भारत की ऋतुएँ – हिंदी तालिका

| क्रमांक | ऋतु का नाम | अवधि (महीने) | मुख्य विशेषताएँ |
|---|---|---|---|
| 1 | शीत ऋतु | दिसंबर – फरवरी | • ठंडा और शुष्क मौसम<br>• हवाएँ स्थल से समुद्र की ओर चलती हैं<br>• उत्तर भारत में तापमान कम<br>• पश्चिमी विक्षोभ से उत्तर-पश्चिम में वर्षा |
| 2 | ग्रीष्म ऋतु | मार्च – मई | • उच्च तापमान और निम्न वायुदाब<br>• उत्तर भारत में लू चलती है<br>• स्थानीय आँधियाँ: कालबैसाखी (बंगाल), आम की बारिश (दक्षिण) |
| 3 | दक्षिण-पश्चिम मानसून | जून – सितंबर | • उत्तर-पश्चिम भारत में निम्न दबाव के कारण मानसून आता है<br>• दो शाखाएँ: अरब सागर व बंगाल की खाड़ी<br>• पश्चिमी तट और पूर्वोत्तर राज्यों में भारी वर्षा<br>• वर्षा का असमान वितरण |
| 4 | लौटता हुआ मानसून | अक्टूबर – नवंबर | • हवाएँ उत्तर भारत से लौटती हैं<br>• साफ आकाश, अधिक तापमान – *अक्टूबर की गर्मी*<br>• पूर्वी तट (तमिलनाडु, आंध्र) पर चक्रवाती वर्षा |

**भारत में वर्षा का वितरण**

- ❖ अत्यधिक वर्षा क्षेत्र (200 सेमी से अधिक): पश्चिमी तट, पूर्वोत्तर राज्य (जैसे मौसिनराम)।
- ❖ मध्यम वर्षा (100–200 सेमी): उत्तरी मैदान, पूर्वी भारत के कुछ भाग।
- ❖ कम वर्षा (60–100 सेमी): दक्कन का पठार।
- ❖ बहुत कम वर्षा (60 सेमी से कम): पश्चिमी राजस्थान, लद्दाख।

**भारतीय मानसून की विशेषताएँ**

- असमान और अनिश्चित।
- कृषि और अर्थव्यवस्था को प्रभावित करता है।
- अचानक आगमन और वापसी।
- समय और मात्रा में क्षेत्रीय अंतर।

**भारत में मानसून का महत्व**

- ❖ कृषि के लिए जल का मुख्य स्रोत।
- ❖ फसल चक्र को प्रभावित करता है।
- ❖ पीने के पानी की आपूर्ति और विद्युत उत्पादन को प्रभावित करता है।
- ❖ भारत का आर्थिक जीवन मानसून पर निर्भर है।

**बहुविकल्पीय प्रश्न-**

प्र.1 प्रश्न 1 कथन आधारित प्रश्न: तमिलनाडु से संबंधित कथन।
कथन 1: इस राज्य में मानसून के लौटने से वर्षा होती है।
कथन 2: यह राज्य दक्षिणी भारत में स्थित है।
विकल्प:
A. केवल कथन 1 सही है
B. केवल कथन 2 सही है
C. दोनों कथन सही हैं
D. कोई भी कथन सही नहीं है
सही उत्तर: c. दोनों कथन सही हैं।

**प्र**.2. निम्नलिखित में से कौन-सा भारतीय मानसून की विशेषता नहीं है?

A. पवनों की ऋतुगत दिशा में परिवर्तन
B. वर्षा का असमान वितरण
C. आगमन और वापसी की पूर्वानुमेयता
D. कृषि पर गहरा प्रभाव

उत्तर: C. आगमन और वापसी की पूर्वानुमेयता

**प्र.3 कथन (A):** कोरोमंडल तट पर शीत ऋतु में वर्षा होती है।
**कारण (R):** उत्तर-पूर्वी मानसून की हवाएँ बंगाल की खाड़ी से नमी लेकर कोरोमंडल तट से टकराती हैं।
**विकल्प:**
a) A और R दोनों सही हैं, और R, A की सही व्याख्या है।
b) A और R दोनों सही हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है।
c) A सही है, लेकिन R गलत है।
d) A गलत है, लेकिन R सही है।
**उत्तर:** a) A और R दोनों सही हैं, और R, A की सही व्याख्या है।

**लघु उत्तरीय प्रश्न-**

प्र.1. भारत में वर्षा अत्यधिक असमान है। कुछ क्षेत्र जैसे मौसिनराम में अत्यधिक वर्षा होती है जबकि जैसलमेर जैसे क्षेत्रों में बहुत कम। यह अंतर विभिन्न क्षेत्रों में लोगों की अर्थव्यवस्था और जीवनशैली को कैसे प्रभावित करता है
**संकेत-** मौसिनराम में अधिक वर्षा से खेती और जल संसाधन अच्छे,जैसलमेर में कम वर्षा से सूखा, सीमित खेती,जीवनशैली और रोजगार जलवायु पर निर्भर, वर्षा का असर अर्थव्यवस्था पर सीधा पड़ता है।

**दीर्घ उत्तरीय प्रश्न-**

प्र.1. कल्पना कीजिए कि भारत में दो लगातार वर्षों तक मानसून विफल हो गया है।
a) किसानों और खाद्य उत्पादन पर तात्कालिक प्रभाव क्या होंगे?
b) अर्थव्यवस्था पर दीर्घकालीन प्रभाव क्या होंगे?
**संकेत:** (a) सोचिए कि किसान फसलों के लिए मानसून पर निर्भर हैं। वर्षा न होने पर: फसलें विफल, सूखा, खाद्य कीमतों में वृद्धि। (b) दीर्घकालीन: सकल घरेलू उत्पाद (GDP) पर प्रभाव, ग्रामीण आय में कमी, खाद्य सुरक्षा खतरे में, पलायन और कृषि क्षेत्र में बेरोजगारी।

**प्र.2. "जलवायु एक संसाधन भी है और एक चुनौती भी।"**
a) इस कथन को तीन उदाहरणों द्वारा सिद्ध कीजिए।
b) भारत में लोग अत्यधिक जलवायु परिस्थितियों के अनुकूलन के दो उपाय बताइए।
c) जलवायु जनसंख्या के वितरण को कैसे प्रभावित करती है?
**संकेत:** a) संसाधन: फसलों में सहायता (पूर्व में धान), पर्यटन (पहाड़ी स्थल), सौर ऊर्जा। चुनौती: सूखा, बाढ़, अनियमित वर्षा। b) मरुस्थलीय घर, बाढ़ वाले क्षेत्रों में ऊँचे घर, उपयुक्त वस्त्र। c) कठोर जलवायु क्षेत्र (थार, हिमालय) = विरल जनसंख्या; मध्यम जलवायु = सघन जनसंख्या।

# अध्याय – 5
# प्राकृतिक वनस्पति तथा वन्य प्राणी

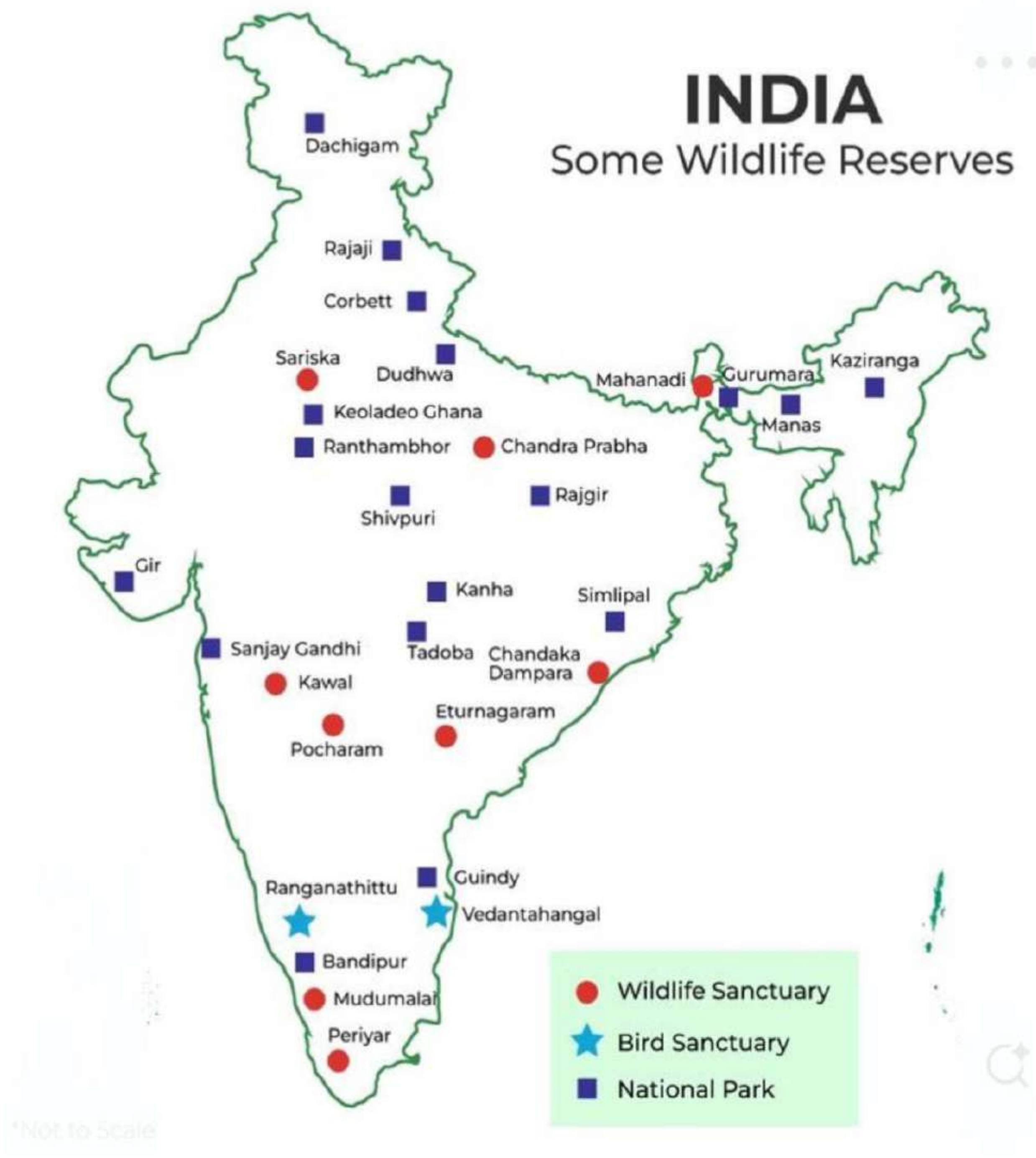

## अध्याय – 6
## जनसंख्या

**अध्याय का सार -**

**जनसंख्या-**

- ❖ जनसंख्या का तात्पर्य किसी देश में किसी निश्चित समय पर निवास करने वाले कुल लोगों की संख्या से है।
- ❖ भारत की जनसंख्या विश्व में दूसरे स्थान पर है (पहले स्थान पर चीन है)।

**जनगणना -**

- जनगणना एक आधिकारिक जनसंख्या गणना होती है जो हर 10 वर्षों में की जाती है।
- पिछली जनगणना 2011 में हुई थी। अगली 2021 में होनी थी (विलंबित है)।

**भारत की जनसंख्या की प्रमुख विशेषताएँ (2011 की जनगणना के अनुसार)-**

- ❖ कुल जनसंख्या: 1.21 अरब
- ❖ सबसे अधिक जनसंख्या वाला राज्य: उत्तर प्रदेश ,सबसे कम जनसंख्या वाला राज्य: सिक्किम
- ❖ उच्च जनसंख्या घनत्व वाले राज्य: बिहार, पश्चिम बंगाल, केरल
- ❖ कम जनसंख्या घनत्व वाले राज्य: अरुणाचल प्रदेश, मिज़ोरम, सिक्किम

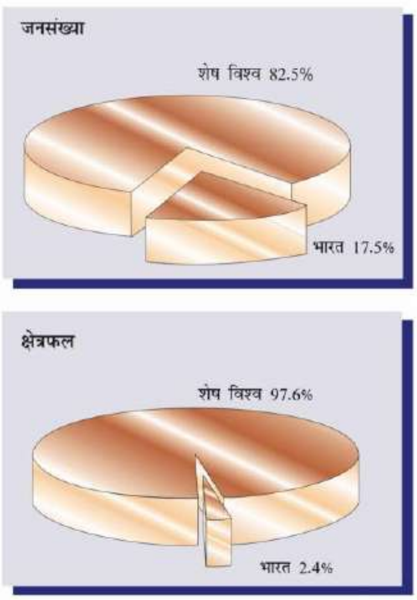


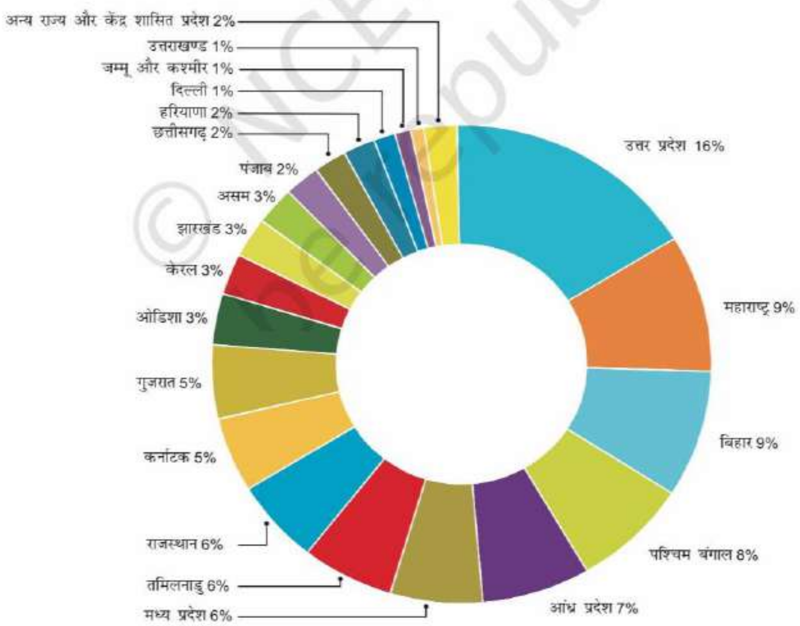


**जनसंख्या घनत्व (Population Density)**

- ❖ जनसंख्या घनत्व = कुल जनसंख्या / कुल भौगोलिक क्षेत्रफल
- ❖ भारत का औसत जनसंख्या घनत्व (2011) = 382 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी

**जनसंख्या वृद्धि (Population Growth)**

- इसका अर्थ जनसंख्या में वृद्धि से है।
- यह जनसंख्या वृद्धि दर द्वारा मापी जाती है।
- स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार और मृत्यु दर में कमी के कारण तेज़ वृद्धि होती है।

**आयु संरचना-**

- ❖ **जनसंख्या को तीन भागों में बाँटा गया है:**
- ❖ बच्चे (0–14 वर्ष): आर्थिक रूप से आश्रित
- ❖ कामकाजी आयु (15–59 वर्ष): आर्थिक रूप से उत्पादक
- ❖ वृद्ध (60 वर्ष और उससे अधिक): आश्रित

**साक्षरता दर-**

- ❖ 7 वर्ष या उससे अधिक आयु के उन लोगों का प्रतिशत जो पढ़ और लिख सकते हैं।
- ❖ राष्ट्रीय औसत (2011): 74% (पुरुष: 82% महिला: 65%)

**किशोर-**

| | |
|---|---|
| **किशोर कौन होते हैं?** | किशोर वे लोग होते हैं जिनकी आयु 10 से 19 वर्ष के बीच होती है। |
| **महत्त्व** | – ये भारत की जनसंख्या का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं।<br>– वे देश की भविष्य की कार्यशक्ति हैं।<br>– यदि उन्हें सही शिक्षा, कौशल और स्वास्थ्य मिले तो वे एक संपत्ति बन सकते हैं।<br>– लेकिन यदि उन्हें पर्याप्त सहयोग न मिले तो वे कई समस्याओं का सामना करते हैं। |
| ⚠️ **किशोरों को आने वाली चुनौतियाँ** | – शिक्षा की कमी और विद्यालय छोड़ने की समस्या<br>– कुपोषण और खून की कमी (विशेषकर लड़कियों में)<br>– बाल विवाह और उससे जुड़ी स्वास्थ्य संबंधी समस्याएँ<br>– करियर मार्गदर्शन और जीवन कौशल की कमी |

**राष्ट्रीय जनसंख्या नीति 2000**

- 14 वर्ष की आयु तक के बच्चों के लिए नि:शुल्क और अनिवार्य शिक्षा
- शिशु मृत्यु दर (IMR) को प्रति 1000 जीवित जन्मों पर 30 से कम करना
- मातृ मृत्यु दर (MMR) को प्रति 1 लाख जीवित जन्मों पर 100 से कम करना
- विवाह की न्यूनतम आयु: लड़कियों के लिए 18 वर्ष, लड़कों के लिए 21 वर्ष
- परिवार नियोजन और प्रजनन स्वास्थ्य सेवाओं को बढ़ावा देना
- किशोरों के लिए स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार — पोषण, जागरूकता, यौन संक्रमण से सुरक्षा
- संस्थागत प्रसव और प्रशिक्षित चिकित्सा कर्मियों को प्रोत्साहित करना
- पंचायती राज संस्थाओं और NGO को जनजागरूकता में शामिल करना

**बहुविकल्पीय प्रश्न-**

Q.1. प्रश्न 1. किसी क्षेत्र में उच्च साक्षरता दर अक्सर स्वास्थ्य, रोजगार और परिवार नियोजन जैसे सामाजिक और आर्थिक संकेतकों को प्रभावित करती है। साक्षर व्यक्ति आमतौर पर छोटे परिवारों, बेहतर स्वास्थ्य सेवा और जिम्मेदार नागरिकता के महत्व के बारे में अधिक जागरूक होते हैं।

उपर्युक्त जानकारी के आधार पर, किसी क्षेत्र में उच्च साक्षरता दर का सबसे संभावित परिणाम निम्नलिखित में से कौन सा है?

A) उच्च जन्म दर

B) कम स्वास्थ्य जागरूकता

C) कम जनसंख्या वृद्धि

D) उच्च मृत्यु दर

**उत्तर: c: ) कम जनसंख्या वृद्धि**

Q.2. अभिकथन (A): किसी राष्ट्र के मानव संसाधनों के समग्र विकास के लिए उच्च साक्षरता दर महत्वपूर्ण है। कारण (R): साक्षर व्यक्ति आम तौर पर अपने अधिकारों और जिम्मेदारियों के प्रति अधिक जागरूक होते हैं, स्वस्थ जीवन शैली अपनाते हैं, और आर्थिक उत्पादकता के लिए नए कौशल हासिल करने के लिए बेहतर ढंग से सुसज्जित होते हैं।

(a) A और R दोनों सत्य हैं, और R, A की सही व्याख्या है।

(b) A और R दोनों सत्य हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है।

(c) A सत्य है, लेकिन R असत्य है।

(d) A असत्य है, लेकिन R सत्य है।

उत्तर: (a) A और R दोनों सत्य हैं, और R, A की सही व्याख्या है।

**लघु उत्तरीय प्रश्न-**

Q.1. किशोर जनसंख्या भारत के भविष्य के लिए क्यों महत्वपूर्ण है?

संकेत: यह आयु वर्ग देश की कार्यबल में शामिल होगा। कौशल विकास और उत्पादकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। यदि इन्हें सही शिक्षा, स्वास्थ्य और अवसर मिले तो ये देश की आर्थिक प्रगति के लिए आधार बन सकते हैं।

**तालिका आधारित प्रश्न- विभिन्न राज्यों में साक्षरता दर (2021)**

| राज्य | पुरुष साक्षरता (%) | महिला साक्षरता (%) |
|---|---|---|
| केरल | 96.2 | 92.1 |
| बिहार | 76.2 | 55.4 |
| राजस्थान | 80.5 | 60.3 |
| तमिलनाडु | 91.1 | 83.7 |
| उत्तर प्रदेश | 81.2 | 63.4 |

प्र.1 उपरोक्त पाई चार्ट के अनुसार भारत की जनसंख्या का कौन-सा आयु वर्ग सबसे अधिक है? इससे देश की कार्यशक्ति पर क्या प्रभाव पड़ता है?

**संकेत**:सबसे अधिक प्रतिशत 15–59 वर्ष के बीच है — यह कामकाजी आबादी (working population) है।इसका मतलब है कि देश के पास जनसांख्यिकीय लाभांश का अवसर है।

प्र.2 तालिका में किस राज्य में पुरुष और महिला साक्षरता दर में सबसे कम अंतर है? यह क्या दर्शाता है?

**संकेत**:केरल: पुरुष 96.2% और महिला 92.1% — अंतर मात्र 4.1%

यह लैंगिक समानता (gender equality) और शिक्षा में समान अवसर को दर्शाता है।

प्र.3 बिहार में महिला साक्षरता दर कम है। इस स्थिति में सरकार को क्या कदम उठाने चाहिए?

**संकेत:** मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा, बालिका शिक्षा के लिए प्रोत्साहन योजनाएँ (जैसे – स्कॉलरशिप, मिड डे मील)

**दीर्घ उत्तरीय प्रश्न-**

Q.1. साक्षरता दर देश के विकास को कैसे प्रभावित करती है? भारत के उदाहरणों सहित उत्तर दीजिए।

**संकेत**:रोज़गार,स्वास्थ्य,लैंगिक समानता,परिवार नियोजन उदाहरण: केरल में उच्च साक्षरता दर = बेहतर स्वास्थ्य, कम जनसंख्या वृद्धि, उच्च मानव विकास सूचकांक।

## अध्याय-1

## लोकतंत्र क्या है? लोकतंत्र क्यों?

**अध्याय का सार**

**फ्लो चार्ट**

| |
|---|
| **लोकतंत्र का अर्थ** |
| **लोकतंत्र की विशेषताएँ** |
| **लोकतंत्र का लाभ** |
| **लोकतंत्र का नुकसान** |
| **लोकतंत्र का व्यापक अर्थ** |

**लोकतंत्र का अर्थ-**

- लोकतंत्र सरकार का एक रूप है जिसमें शासक लोगों द्वारा चुने जाते हैं।
- **लोकतंत्र की मुख्य विशेषताएँ**

| विशेषता | स्पष्टीकरण |
|---|---|
| चुने हुए नेता | लोग चुनाव के माध्यम से अपने प्रतिनिधि चुनते हैं। |
| स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव | चुनाव प्रतिस्पर्धी और निष्पक्ष होने चाहिए। |
| सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार | प्रत्येक वयस्क नागरिक के पास समान मूल्य का एक वोट होता है। |
| कानून का शासन | सरकार को कानून का पालन करना चाहिए और नागरिकों के अधिकारों का सम्मान करना चाहिए। |

**लोकतंत्र बनाम गैर-लोकतंत्र-**

| देश | सरकार का प्रकार | लोकतांत्रिक क्यों/क्यों नहीं? |
|---|---|---|
| भारत | लोकतंत्र नियमित चुनाव | कानून का शासन, नागरिक अधिकार |
| चीन | सच्चा लोकतंत्र नहीं | एक पार्टी का शासन, कोई वास्तविक प्रतिस्पर्धा नहीं |
| पाकिस्तान | सैन्य-प्रधान शासन | सेना वास्तविक शक्ति को नियंत्रित करती है, निर्वाचित नेता कठपुतली हैं |
| जिम्बाब्वे | नकली लोकतंत्र | चुनाव मौजूद हैं, लेकिन अनुचित और हेरफेर किए जाते हैं |

**लोकतंत्र क्यों? (लोकतंत्र के लाभ)**

- लोगों के प्रति अधिक जवाबदेह।
- चर्चा के माध्यम से निर्णय लेने में सुधार।
- नागरिकों की गरिमा और समानता को बढ़ाता है।
- नेतृत्व के शांतिपूर्ण और कानूनी परिवर्तन की अनुमति देता है।
- भविष्य के चुनावों में गलतियों को सुधारने का अवसर देता है।

**लोकतंत्र के विरुद्ध तर्क (नुकसान)**

- बार-बार होने वाले परिवर्तन अस्थिरता का कारण बनते हैं।
- निर्णय लेने की प्रक्रिया धीमी होती है।
- भ्रष्टाचार बढ़ सकता है।
- नेता वास्तव में उत्तरदायी नहीं हो सकते हैं।
- लोगों में उचित राजनीतिक ज्ञान की कमी हो सकती है।

**लोकतंत्र -लोकतंत्र केवल चुनाव नहीं है। । लोकतंत्र का मतलब मतदान से कहीं अधिक है।इसमें शामिल हैं:**

- अधिकारों का सम्मान
- कानून के समक्ष समानता
- अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता
- नागरिकों की सक्रिय भागीदारी

**शब्दावली-**

| | |
|---|---|
| सार्वभौमिक | वयस्क मताधिकार प्रत्येक वयस्क नागरिक को मतदान का अधिकार है। |
| तानाशाही | सार्वजनिक विकल्प के बिना एक व्यक्ति या समूह द्वारा शासन |
| संविधान | किसी देश का मार्गदर्शन करने वाले बुनियादी कानूनों और सिद्धांतों का समूह |
| कानून का शासन | कानून नेताओं सहित सभी नागरिकों पर समान रूप से लागू होता है |

**निष्कर्ष-**लोकतंत्र परिपूर्ण नहीं हो सकता है, लेकिन यह उपलब्ध सरकार का सबसे समावेशी, निष्पक्ष और जवाबदेह रूप है।

**बहुविकल्पीय प्रश्न**

प्रश्न 1- निम्नलिखित में से कौन लोकतंत्र की विशेषताएँ हैं?

(i) चुनाव लोगों को विकल्प और निष्पक्ष अवसर प्रदान नहीं करते हैं।

(ii) शासक लोगों द्वारा चुने जाते हैं और सभी बड़े फैसले लेते हैं।

(iii) सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार।

(iv) सरकार सम्राट के अधीन शासन करती है।

(a) (i), (iii) और (iv)

(b) (i), (ii) और (iii)

(c) (ii) और (iv)

(d) केवल (ii) और (iii)

उत्तर-(d) केवल (ii) और (iii)।

नीचे दिए गए प्रश्न (Q.2) में, अभिकथन (A) और कारण (R) के रूप में चिह्नित दो कथन हैं। कथनों को पढ़ें और सही विकल्प चुनें।

विकल्प:

(a) A और R दोनों सत्य हैं और R, A का सही स्पष्टीकरण है।

(b) A और R दोनों सत्य हैं R, A का सही स्पष्टीकरण नहीं है।

(c) A सत्य है लेकिन R असत्य है।

(d) A गलत है लेकिन R सत्य है।

प्रश्न 2- अभिकथन (A): लोकतंत्र नागरिकों की गरिमा को बढ़ाता है।

कारण (R): लोकतंत्र राजनीतिक समानता के सिद्धांत पर आधारित है।

उत्तर (b) A और R दोनों सत्य हैं, लेकिन R, A का सही स्पष्टीकरण नहीं है।

**लघु उत्तरीय प्रश्न**

प्रश्न-1- "यह विश्लेषण कीजिए कि लोकतांत्रिक प्रणाली नागरिकों को समान अधिकार और निर्णय-निर्माण में भागीदारी प्रदान करके उनकी गरिमा और आत्म-सम्मान को कैसे सुनिश्चित करती है।"

संकेत- (क) लोकतंत्र राजनीतिक समानता के सिद्धांत पर आधारित है, जिसमें कहा गया है कि सबसे गरीब और कम शिक्षित लोगों को अमीर और शिक्षित लोगों के समान दर्जा प्राप्त है।(ख) लोग शासक के अधीन नहीं हैं, वे स्वयं शासक हैं।

**दीर्घ उत्तरीय प्रश्न-**

प्रश्न-1- चीन हमारा उत्तरी पड़ोसी देश है। चीन भी यह कहता है कि उसकी सरकार 'जनता की सरकार' है और वहाँ नियमित रूप से चुनाव भी होते हैं। क्या आप चीन को एक लोकतंत्र मानेंगे? अपने उत्तर के समर्थन में कारण दीजिए।

**संकेत**- चीन लोकतंत्र नहीं है। चीन में एक पार्टी का शासन है। , केवल वे लोग ही चुनाव लड़ सकते हैं जिन्हें चीनी कम्युनिस्ट पार्टी द्वारा अनुमोदित किया जाता.

## अध्याय 2
## संविधान निर्माण

**अध्याय का सार** **फ्लो चार्ट**

| |
|---|
| दक्षिण अफ्रीका का केस अध्ययन |
| संविधान का अर्थ और आवश्यकता |

| |
|---|
| भारतीय संविधान का निर्माण |
| भारतीय संविधान के मार्गदर्शक मूल्य |
| भारतीय संविधान के निर्देशात्मक डिजाइन |

**संविधान क्या है?**

- संविधान लिखित नियमों का एक समूह है जो यह बताता है कि किसी देश का शासन कैसे चलता है।
- यह नागरिकों और सरकार के मौलिक सिद्धांतों, अधिकारों और कर्तव्यों को निर्धारित करता है।

**दक्षिण अफ्रीका की कहानी (केस स्टडी)-**

- रंगभेद: दक्षिण अफ्रीका में नस्लीय भेदभाव की एक प्रणाली।
- गैर-श्वेतों को अधिकारों से वंचित किया गया; नेल्सन मंडेला और अन्य लोगों ने समानता के लिए संघर्ष का नेतृत्व किया।
- कई वर्षों के संघर्ष के बाद, 1996 में एक नया लोकतांत्रिक संविधान अपनाया गया।

**दक्षिण अफ्रीकी संविधान की विशेषताएँ:-**

- **कानून के सामने हर कोई समान है।**
- **सभी जातियों के लोगों के समान अधिकार हैं।**
- **स्वतंत्रता, समानता और सम्मान की गारंटी देता है।**
- **सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार की प्रणाली के साथ एक लोकतंत्र की स्थापना की।**

**हमें संविधान की ज़रूरत क्यों है?**

- देश की राजनीतिक व्यवस्था का आधार बनने वाले आदर्शों को स्थापित करता है।
- सरकार की संरचना और शक्तियों को परिभाषित करता है।
- सभी नागरिकों को मौलिक अधिकारों की गारंटी देता है।
- सत्ता के दुरुपयोग को रोकने में मदद करता है।
- अल्पसंख्यकों के हितों की रक्षा करता है।

**भारतीय संविधान का निर्माण**

- ऐतिहासिक पृष्ठभूमि
- भारत को 15 अगस्त 1947 को स्वतंत्रता मिली।
- संविधान लिखने के लिए संविधान सभा का गठन किया गया।
- इसमें 299 सदस्य थे, जिनमें डॉ. बी.आर. अंबेडकर, जवाहरलाल नेहरू, राजेंद्र प्रसाद आदि नेता शामिल थे।

**मुख्य बिंदु:**

- पहली बैठक: 9 दिसंबर 1946.
- अंतिम अंगीकरण: 26 नवंबर 1949.
- प्रभाव में आया: **26 जनवरी 1950 (गणतंत्र दिवस के रूप में मनाया जाता है).**

**संविधान का दर्शन:**

- प्रस्तावना: संविधान का एक परिचय जो इसके मूल्यों और उद्देश्यों को बताता है.
- प्रस्तावना में मुख्य शब्द:
- संप्रभु - भारत स्वतंत्र है.
- समाजवादी - धन का समान वितरण किया जाना चाहिए.
- धर्मनिरपेक्ष - सभी धर्मों के साथ समान व्यवहार किया जाना चाहिए.
- लोकतांत्रिक - लोगों के पास अपने नेताओं को चुनने का अधिकार है.
- गणतंत्र - राज्य का मुखिया निर्वाचित होता है, वंशानुगत नहीं.
- न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुत्व - सभी के बीच सम्मान और एकता सुनिश्चित करना.

**महत्वपूर्ण व्यक्तित्व:**

- **महात्मा गांधी:** एक स्वतंत्र और समावेशी भारत का दृष्टिकोण दिया.
- **डॉ. बी.आर. अंबेडकर**: प्रारूप समिति के अध्यक्ष; जिन्हें भारतीय संविधान का जनक कहा जाता है.
- **जवाहरलाल नेहरू:** उद्देश्य प्रस्ताव दिया, जिसने संविधान निर्माण का मार्गदर्शन किया।
  **नोट**: संविधान किसी देश का सर्वोच्च कानून होता है। इसे संविधान सभा ने चर्चा और आम सहमति से बनाया था। यह सभी के लिए लोकतंत्र, न्याय और अधिकार सुनिश्चित करता है।

**बहुविकल्पीय प्रश्न**

नीचे दिए गए प्रश्नों (प्रश्न 1 और प्रश्न 2) में, दो कथन अभिकथन (A) और कारण (R) के रूप में चिह्नित हैं। कथनों को पढ़ें और सही विकल्प चुनें: विकल्प:

(a) A और R दोनों सत्य हैं और R, A का सही स्पष्टीकरण है।

(b) A और R दोनों सत्य हैं और R, A का सही स्पष्टीकरण नहीं है।

(c) A सत्य है लेकिन R असत्य है।

(d) A असत्य है लेकिन R सत्य है।

प्रश्न 1. अभिकथन (A): रंगभेद प्रणाली अफ्रीका में अश्वेतों के लिए विशेष रूप से दमनकारी थी। कारण (R): अश्वेत लोग संगठन नहीं बना सकते थे या भयानक उपचार के खिलाफ विरोध नहीं कर सकते थे।

उत्तर (a) A और R दोनों सत्य हैं और R, A का सही स्पष्टीकरण है।

प्रश्न 2. अभिकथन (A): संविधान देश का सर्वोच्च कानून है।

कारण (R): यह नागरिकों के अधिकारों और कर्तव्यों को बताता है।

उत्तर (b) A और R दोनों सत्य हैं तथा R, A की सही व्याख्या नहीं है। D. प्रस्तावना

प्रश्न 3. संवैधानिक संदर्भ में 'शक्तियों के पृथक्करण' से क्या अभिप्राय है?

A. विभिन्न राज्यों के बीच शक्तियों का बंटवारा

B. विभिन्न राजनीतिक दलों के बीच शक्तियों का बंटवारा

C. कार्यकारी, विधायी और न्यायिक शाखाओं के बीच शक्तियों का बंटवारा

D. सरकार और निजी क्षेत्र के बीच शक्तियों का बंटवारा

उत्तर- C. कार्यकारी, विधायी और न्यायिक शाखाओं के बीच शक्तियों का बंटवारा

प्रश्न 4. अभिकथन: संविधान देश का सर्वोच्च कानून है।

कारण: संविधान किसी क्षेत्र में रहने वाले लोगों के बीच संबंधों को निर्धारित करता है और लोगों और सरकार के बीच संबंधों को निर्धारित करता है।

A. A और R दोनों सत्य हैं और R, A का सही स्पष्टीकरण है।

B. A और R दोनों सत्य हैं और R, A का सही स्पष्टीकरण नहीं है।

C. A सत्य है लेकिन R असत्य है।

D. A असत्य है लेकिन R सत्य है।

उत्तर-. A और R दोनों सत्य हैं और R, A का सही स्पष्टीकरण है।

प्रश्न 5 संविधान निर्माण में निम्नलिखित नेताओं की भूमिका का मिलान करें:

| | |
|---|---|
| a) मोतीलाल नेहरू | ( (i) संविधान सभा के अध्यक्ष |
| (b) बी.आर. अंबेडकर | (ii) संविधान सभा के सदस्य |
| (c) राजेंद्र प्रसाद | (iii) प्रारूप समिति के अध्यक्ष |
| (d) सरोजिनी नायडू | (iv) 1928 में भारत के लिए संविधान तैयार किया |

उत्तर-A-IV, B-III, C-I, D-II

प्रश्न 6 नीचे दिए गए कोलाज से संविधान सभा के अध्यक्ष की तस्वीर चुनें।

A) डॉ. राजेंद्र प्रसाद B) डॉ. बी आर अंबेडकर
C) डॉ. सच्चिदानंद सिन्हा D) पंडित जवाहर लाल नेहरू
उत्तर-A) डॉ. राजेंद्र प्रसाद

**अति लघु उत्तरीय प्रश्न-**

प्रश्न 1. भारतीय संविधान किस प्रकार सभी धर्मों के साथ समान व्यवहार सुनिश्चित करता है।"

**संकेत**- नागरिकों को किसी भी धर्म का पालन करने की पूर्ण स्वतंत्रता है। लेकिन कोई आधिकारिक धर्म नहीं है। सरकार सभी धार्मिक विश्वासों और प्रथाओं के साथ समान सम्मान का व्यवहार करती है।

***दीर्घ उत्तरीय प्रश्न-***

प्रश्न 1. स्वतंत्रता के दौरान हमारे नेताओं के सामने संविधान निर्माण की चुनौतियों पर चर्चा करें।

**संकेत**- राष्ट्र को एकीकृत करना और भारत की विशाल विविधता को समायोजित करना आसान नहीं था। धार्मिक मतभेद, दंगों और विभाजन के दर्द ने इसे और भी कठिन बना दिया। लोगों को अपना पिछला दर्द भुलाने के लिए मनाना मुश्किल था, क्योंकि वे अपनी तकदीर खुद तय करने के लिए अभी अपरिपक्व थे।

प्रश्न 2.हमारे संविधान के मूल्यों को आकार देने में राष्ट्रीय आंदोलन की क्या भूमिका थी? व्याख्या करो।

**संकेत**-राष्ट्रीय आंदोलन ने हमारे मूल्यों और आदर्शों को आकार दिया था, जिन पर भारतीय संविधान के स्तंभ टिके हुए हैं। राष्ट्रीय आंदोलन ने हमें कुछ बुनियादी विचार दिए, जिन्हें लगभग सभी ने स्वीकार कर लिया था। 1928 में मोतीलाल नेहरू और 1931 के कराची अधिवेशन में भारतीय संविधान के दृष्टिकोण पर प्रस्ताव पारित किया गया -सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार का समावेश,स्वतंत्रता और समानता का अधिकार, अल्पसंख्यकों के अधिकारों की सुरक्षा।

---

## अध्याय-3
## चुनावी राजनीति

**अध्याय का सार**

**फ्लो चार्ट**

| |
|---|
| चुनाव |
| चुनाव की आवश्यकता |
| चुनाव के मानदंड |
| भारत के चुनाव आयोग की प्रणाली |
| स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव की चुनौतियाँ |

**मुख्य अवधारणाएँ**

1. लोकतंत्र और चुनाव
लोकतंत्र लोकप्रिय भागीदारी के सिद्धांत पर आधारित है।
चुनाव केंद्रीय तंत्र है जिसके माध्यम से प्रतिनिधि लोकतंत्र कार्य करता है।

**2. केस स्टडी: हरियाणा विधानसभा चुनाव (1987)**
देवीलाल ने एक नई पार्टी, लोक दल का गठन किया और भूमि सुधार और किसानों के लिए राहत का वादा किया और भारी बहुमत से जीत हासिल की और मुख्यमंत्री बने।

**नोट: यह दर्शाता है कि चुनाव किस तरह से जनता की राय और लोगों की माँगों को दर्शाते हैं।**

**चुनाव क्या है?**

चुनाव: एक प्रक्रिया जिसके माध्यम से लोग अपने प्रतिनिधि चुनते हैं।

लोकतंत्र में, चुनाव नागरिकों को अपने नेता चुनने की अनुमति देते हैं जो कानून बनाएंगे और शासन करेंगे।

**हमें चुनावों की आवश्यकता क्यों है?**

- प्रतिनिधि लोकतंत्र: हर कोई सीधे कानून बनाने में भाग नहीं ले सकता है, इसलिए हम प्रतिनिधियों का चुनाव करते हैं।
- विकल्प: चुनाव लोगों को यह विकल्प देते हैं कि कौन कानून बनाए और सरकार चलाए।
- जवाबदेही: निर्वाचित प्रतिनिधियों को वोट दिया जा सकता है यदि वे प्रदर्शन नहीं करते हैं।

**चुनाव को लोकतांत्रिक क्या बनाता है?**

- हर किसी के पास एक वोट और एक मूल्य होना चाहिए।
- स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव होने चाहिए।
- कई दलों को चुनाव लड़ना चाहिए।
- लोगों के पास वास्तविक विकल्प होने चाहिए।

**भारत में चुनाव-**

- भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है और यहाँ नियमित रूप से चुनाव होते हैं:
- राष्ट्रीय स्तर - लोकसभा
- राज्य स्तर - विधानसभा
- स्थानीय स्तर - पंचायत और नगर पालिकाएँ
- भारत में चुनाव प्रक्रिया-
- परिसीमन: देश को निर्वाचन क्षेत्रों में विभाजित करना।
- मतदाता सूची (चुनावी रोल):इसमें सभी पात्र मतदाताओं (18+) के नाम शामिल हैं और इसे नियमित रूप से अपडेट किया जाता है।
- उम्मीदवारों का नामांकन:कोई भी व्यक्ति चुनाव लड़ सकता है जो पात्रता को पूरा करता है।
- राजनीतिक दल या निर्दलीय।
- प्रचार:समयबद्ध, मतदान से 48 घंटे पहले समाप्त होता है।

- नियमों द्वारा विनियमित (कोई अभद्र भाषा नहीं, सीमित खर्च)।
- मतदान और वोटिंग:इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) के माध्यम से किया जाता है।
- गुप्त मतदान प्रणाली।
- वोटों की गिनती: सबसे अधिक वोट पाने वाला उम्मीदवार जीतता है।
- स्वतंत्र चुनाव आयोग (ईसीआई)-भारत में चुनावों का संचालन और पर्यवेक्षण करता है।

## चुनावों को बेहतर बनाने के लिए सुधार

- चुनाव खर्च की सीमा।
- आदर्श आचार संहिता।
- मीडिया और नागरिक समाज की भागीदारी।
- 

## बहुविकल्पीय प्रश्न

प्रश्न 1. चुनाव को लोकतांत्रिक क्या बनाता है? सही विकल्प चुनें।

(i) सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार (ii) मौलिक अधिकार

(iii) राज्य नीति के निर्देशक सिद्धांत (iv) स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव।

(a) (ii)

(b) (iii)

(c) (ii) और (iii) दोनों

(d) (i) और (iv)

**उत्तर: (d) (i) और (iv)**

प्रश्न 2 अभिकथन (A): भारत में लोकसभा चुनावों के लिए फर्स्ट-पास्ट-द-पोस्ट प्रणाली का उपयोग किया जाता है।

कारण (R): इस प्रणाली में, एक निर्वाचन क्षेत्र में सबसे अधिक वोट प्राप्त करने वाला उम्मीदवार चुनाव जीत जाता है।

A. A और R दोनों सत्य हैं, और R, A का सही स्पष्टीकरण है।

B. A और R दोनों सत्य हैं, लेकिन R, A का सही स्पष्टीकरण नहीं है।

C. A सत्य है, लेकिन R असत्य है।

D. A असत्य है, लेकिन R सत्य है।

उत्तर: A- A और R दोनों सत्य हैं, और R, A का सही स्पष्टीकरण है

**अति लघु उत्तरीय प्रश्न-**

प्रश्न 1. उपचुनाव शब्द को परिभाषित करें?

संकेत: उपचुनाव- कभी-कभी किसी सदस्य की मृत्यु या त्यागपत्र के कारण हुई रिक्ति को भरने के लिए केवल एक निर्वाचन क्षेत्र के लिए चुनाव होते हैं। इसे उपचुनाव कहा जाता है।

प्रश्न 2. नोटा, ई वी एम, एम.एल.ए., ई पी आई सी का पूर्ण रूप?

संकेत- नोटा- इनमें से कोई नहीं,ई वी एम- इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन,एम.एल.ए.- विधान सभा का सदस्य,ई पी आई सी- चुनावी फोटो पहचान पत्र।

प्रश्न 3 "भारत में चुनाव लड़ने के लिए आवश्यक योग्यता की पहचान कीजिए और उन्हें समझाइए। साथ ही विश्लेषण कीजिए कि ये शर्तें लोकतांत्रिक सिद्धांतों को कैसे समर्थन देती हैं।"

**संकेत**: कोई भी व्यक्ति जो मतदाता हो सकता है, वह चुनाव में उम्मीदवार भी बन सकता है। उम्मीदवार की आयु न्यूनतम 25 वर्ष होनी चाहिए। चुनाव लड़ने की इच्छा रखने वाले प्रत्येक व्यक्ति को एक 'नामांकन पत्र' भरना होता है और 'सुरक्षा जमा' के रूप में कुछ धनराशि देनी होती है।

**लघु उत्तरीय प्रश्न-**

प्रश्न.1 मतदाता और उम्मीदवार में अंतर बताइए?

**संकेत**: मतदाता वह व्यक्ति होता है जो संसद के किसी भी हिस्से के चुनाव में भाग लेता है और वोट देता है, उम्मीदवार वह व्यक्ति होता है जो संविधान के किसी भी हिस्से का चुनाव लड़ता है.

प्रश्न.2 दिए गए आंकड़ों का विश्लेषण करें और निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दें-

**1.लोकसभा-**

- ❖ कुल निर्वाचन क्षेत्र- 543
- ❖ सामान्य-412
- ❖ आरक्षित (एससी)- 84
- ❖ आरक्षित (एसटी)- 47

**2-राज्यों के निर्वाचन क्षेत्र-**

| | | | |
|---|---|---|---|
| आंध्र प्रदेश 25 | कर्नाटक 28 | राजस्थान 25 | संघ प्रदेशों |
| अरुणाचल प्रदेश 2 | केरल 20 | सिक्किम 1 | अंडमान और निकोबार द्वीप 1 |
| असम 14 | मध्य प्रदेश 29 | तमिलनाडु 39 | चंडीगढ़ 1 |
| बिहार 40 | महाराष्ट्र 48 | तेलंगाना 17 | दादरा एवं नगर हवेली 1 |
| छत्तीसगढ़ 11 | मणिपुर 2 | त्रिपुरा 2 | दमन एवं दीव 1 |
| गोवा 2 | मेघालय 2 | उत्तर प्रदेश 80 | दिल्ली 7 |
| गुजरात 26 | मिजोरम 1 | उत्तराखंड 5 | जम्मू और कश्मीर 5 |
| हरियाणा 10 | नागालैंड 1 | पश्चिम बंगाल 42 | लद्दाख 1 |
| हिमाचल प्रदेश 4 | ओडिशा 21 | | लक्षद्वीप 1 |
| झारखण्ड 14 | पंजाब 13 | | पुडुचेरी 1 |

1. आपके राज्य और पड़ोसी दो राज्यों में लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों की संख्या कितनी है?
2. किस राज्य में 30 से अधिक लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र हैं?
3. कुछ राज्यों में निर्वाचन क्षेत्रों की संख्या इतनी अधिक क्यों है?
4. कुछ निर्वाचन क्षेत्र क्षेत्रफल में छोटे क्यों हैं जबकि अन्य बहुत बड़े हैं?

**दीर्घ उत्तरीय प्रश्न**

प्रश्न-1- "भारत में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव संपन्न कराने में आने वाली प्रमुख बाधाओं का समालोचनात्मक विश्लेषण कीजिए। मूल्यांकन कीजिए कि ये बाधाएँ भारतीय लोकतंत्र के मूल्यों और कार्यप्रणाली को किस हद तक प्रभावित करती हैं।"

**संकेत:** भारत में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनावों की चुनौतियाँ इस प्रकार हैं:

(i) बहुत सारे पैसे वाले उम्मीदवार और पार्टियाँ अपनी जीत के बारे में सुनिश्चित नहीं हो सकती हैं, लेकिन वे छोटी पार्टियों और निर्दलीय उम्मीदवारों पर बड़ा और अनुचित लाभ उठाती हैं।

(ii) देश के कुछ हिस्सों में, आपराधिक संबंध रखने वाले उम्मीदवार प्रमुख पार्टियों से 'टिकट' हासिल करने में सफल रहे हैं।

प्रश्न 2- "स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने में भारत के चुनाव आयोग की भूमिका और जिम्मेदारियों का विश्लेषण कीजिए। मूल्यांकन कीजिए कि उसकी स्वतंत्रता और अधिकार लोकतांत्रिक सिद्धांतों को बनाए रखने में किस प्रकार सहायक होते हैं।"

**संकेत** (i) चुनाव आयोग चुनावों की घोषणा से लेकर परिणामों की घोषणा तक चुनावों के संचालन और नियंत्रण के हर पहलू पर निर्णय लेता है।

(ii) यह आचार संहिता को लागू करता है और इसका उल्लंघन करने वाले किसी भी उम्मीदवार या पार्टी को दंडित करता है।

(iii) यह पार्टियों और स्वतंत्र उम्मीदवारों आदि को चुनाव चिह्न आवंटित करता है

# अध्याय-4
# संस्थाओं का कार्य

## अध्याय का सार

**फ्लो चार्ट**

| |
|---|
| संस्थाएँ क्या हैं? |
| कानून बनाने की प्रक्रिया |
| संसद- (लोकसभा और राज्यसभा) |
| विधानसभा, कार्यपालिका और न्यायपालिका |
| राष्ट्रपति |
| प्रधानमंत्री और मंत्रिपरिषद |

## मुख्य अवधारणाएँ-

- लोकतंत्र में, उचित प्रक्रियाओं के माध्यम से निर्णय लिए जाते हैं।
- महत्वपूर्ण निर्णय एक व्यक्ति द्वारा नहीं बल्कि संसद, प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति और न्यायपालिका जैसी विभिन्न संस्थाओं द्वारा लिए जाते हैं।
- ये संस्थाएँ नियमों का पालन करती हैं और देश को चलाने के लिए मिलकर काम करती हैं।

## संस्थाएँ क्या हैं?

संस्थाएँ सामाजिक व्यवस्था की संरचनाएँ या तंत्र हैं जो व्यक्तियों के एक समूह के व्यवहार को नियंत्रित करती हैं। लोकतंत्र में, संस्थाएँ निर्णय लेती हैं, उन्हें लागू करती हैं और सुनिश्चित करती हैं कि कानूनों का पालन हो।

| संस्था | मुख्य घटक | मुख्य कार्य |
|---|---|---|
| विधायिका (संसद) | - लोकसभा: सीधे जनता द्वारा चुनी जाती है<br>- राज्यसभा: राज्य विधानसभाओं द्वारा चुनी जाती है | - कानून बनाना<br>- कार्यपालिका पर नियंत्रण<br>- बजट पारित करना<br>- जनता का प्रतिनिधित्व |
| कार्यपालिका | - राजनीतिक कार्यपालिका: प्रधानमंत्री, मंत्री (चुने हुए प्रतिनिधि)<br>- स्थायी कार्यपालिका: प्रशासनिक अधिकारी/नौकरशाह | - कानूनों को लागू करना<br>- शासन चलाना - नीतियों का क्रियान्वयन |
| न्यायपालिका | - सुप्रीम कोर्ट (प्रमुख)<br>- कार्यपालिका व विधायिका से स्वतंत्र | - कानूनों की व्याख्या<br>- अधिकारों की रक्षा<br>- न्याय सुनिश्चित करना |

## मुख्य भूमिकाएँ और अधिकारी-

**1. राष्ट्रपति-**

❖ देश का मुखिया

❖ अधिकांशतः औपचारिक, मंत्रिपरिषद की सलाह पर कार्य करता है

❖ प्रधानमंत्री और अन्य प्रमुख अधिकारियों की नियुक्ति करता है

**2. प्रधानमंत्री-**

❖ सरकार का मुखिया

❖ लोकसभा में बहुमत दल का नेता

❖ वास्तविक कार्यकारी शक्तियाँ रखता है

**3. मंत्रिपरिषद**

❖ सरकार चलाने में प्रधानमंत्री की सहायता करता है

इसमें शामिल हैं:

A) कैबिनेट मंत्री

B) राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

C) राज्य मंत्री

4. कैबिनेट-

❖ वरिष्ठ मंत्रियों का छोटा समूह महत्वपूर्ण निर्णय लेता है

❖ संसद के प्रति उत्तरदायी

**कानून बनाना- (कैसे एक विधेयक कानून बनता है)-**

- संसद के किसी भी सदन में विधेयक पेश किया जाता है।
- लोकसभा और राज्यसभा दोनों द्वारा इस पर बहस की जाती है और इसे पारित किया जाता है।
- इसे मंजूरी के लिए राष्ट्रपति के पास भेजा जाता है।
- राष्ट्रपति के हस्ताक्षर के बाद यह कानून बन जाता है।

**संस्थाओं की आवश्यकता-**

- शक्तियों को विभाजित करने और दुरुपयोग से बचने के लिए।
- सरकार के सुचारू संचालन की अनुमति देने के लिए।
- नियंत्रण और संतुलन की प्रणाली का पालन करने के लिए।
- कानून और लोकतंत्र के शासन को बनाए रखना।

**याद रखने योग्य महत्वपूर्ण बिंदु-**

- शक्तियों का पृथक्करण सुनिश्चित करता है कि कोई भी शाखा बहुत शक्तिशाली न हो जाए।
- राजनीतिक कार्यपालिका स्थायी कार्यपालिका से अधिक शक्तिशाली होती है।

- न्यायपालिका स्वतंत्र होती है, जिसका अर्थ है कि वह कार्यपालिका के कार्यों और विधायिका द्वारा बनाए गए कानूनों का न्याय कर सकती है।
- मंत्रिपरिषद सामूहिक रूप से लोकसभा के प्रति उत्तरदायी होती है।

**बहुविकल्पीय प्रश्न-**

प्रश्न 1 अभिकथन (A): भारत के राष्ट्रपति का चुनाव एक निर्वाचक मंडल द्वारा किया जाता है।

कारण (R): राष्ट्रपति राज्य का प्रमुख होता है और उसे पूरे देश का प्रतिनिधित्व करना चाहिए।

A. A और R दोनों सत्य हैं, और R, A का सही स्पष्टीकरण है।

B. A और R दोनों सत्य हैं, लेकिन R, A का सही स्पष्टीकरण नहीं है।

C. A सत्य है, लेकिन R असत्य है।

D. A असत्य है, लेकिन R सत्य है।

उत्तर: B. A और R दोनों सत्य हैं, लेकिन R, A का सही स्पष्टीकरण नहीं है।

प्रश्न 2 अभिकथन (A): प्रधानमंत्री लोकसभा में बहुमत दल का नेता होता है।

कारण (R): प्रधानमंत्री की नियुक्ति भारत के राष्ट्रपति द्वारा की जाती है।

A. A और R दोनों सत्य हैं, और R, A का सही स्पष्टीकरण है।

B. A और R दोनों सत्य हैं, लेकिन R, A का सही स्पष्टीकरण नहीं है।

C. A सत्य है, लेकिन R असत्य है।

D. A गलत है, लेकिन R सही है।

उत्तर: B. A और R दोनों सत्य हैं, लेकिन R, A का सही स्पष्टीकरण नहीं है।

प्रश्न 3 अभिकथन (A): लोकसभा, राज्यसभा से अधिक शक्तिशाली है।

कारण (R): धन विधेयक केवल लोकसभा में ही पेश किए जा सकते हैं।

A. A और R दोनों सत्य हैं, और R, A का सही स्पष्टीकरण है।

B. A और R दोनों सत्य हैं, लेकिन R, A का सही स्पष्टीकरण नहीं है।

C. A सत्य है, लेकिन R गलत है।

D. A गलत है, लेकिन R सत्य है।

उत्तर: A. A और R दोनों सत्य हैं, और R, A का सही स्पष्टीकरण है।

**अति लघु उत्तरीय प्रश्न-**

प्रश्न 1. "भारतीय संसद में लोकसभा और राज्यसभा की शक्तियों की तुलना कीजिए। विश्लेषण कीजिए कि किन संवैधानिक और कार्यात्मक कारणों से लोकसभा को अधिक शक्तिशाली माना जाता है।"

**संकेत-** भारतीय संसदीय प्रणाली में लोकसभा के पास राज्यसभा से अधिक शक्ति है। इसके पीछे निम्नलिखित कारण हैं: लोकसभा देश की जनता द्वारा सीधे अपने वोट के अधिकार का उपयोग करके चुनी जाती है। धन संबंधी मामलों पर लोकसभा के पास अधिक शक्ति है।

प्रश्न 2. न्यायाधीशों को हटाने की प्रक्रिया क्या है? इसे समझाइए।

संकेत- न्यायाधीश को हटाने की प्रक्रिया को महाभियोग कहा जाता है। महाभियोग प्रस्ताव संसद के दोनों सदनों के

दो-तिहाई सदस्यों द्वारा अलग-अलग पारित किया जाता है। इस प्रकार, राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त न्यायाधीशों को अकेले राष्ट्रपति द्वारा नहीं हटाया जा सकता है।

**लघु उत्तरीय प्रश्न**

प्रश्न 1. राजनीतिक संस्थाओं की आवश्यकता क्यों है? वर्णन करें।

संकेत- लोकतंत्र तब अच्छी तरह काम करता है जब राजनीतिक संस्थाएँ, जैसे: प्रधानमंत्री और मंत्रिमंडल, सिविल सेवक, सर्वोच्च न्यायालय, आदि, उन्हें सौंपे गए कार्य निष्पादित करती हैं। इन राजनीतिक संस्थाओं की आवश्यकता है

(i) निर्णय लेना:- लोगों के कल्याण के बारे में निर्णय लेने के लिए देशों को राजनीतिक संस्थाओं की आवश्यकता होती है। संस्थाएँ विभिन्न नीतियाँ और कल्याण योजनाएँ बनाती हैं।

(ii) निर्णयों को लागू करना:- जो निर्णय लिए गए हैं उन्हें लागू किया जाना है।

**दीर्घ उत्तरीय प्रश्न**

प्रश्न 1. राजनीतिक कार्यपालिकाओं के पास स्थायी कार्यपालिकाओं की तुलना में अधिक शक्ति क्यों होती है? इसे समझाएँ।

संकेत- a. मंत्री सीधे लोगों द्वारा चुने जाते हैं।

b. वे लोगों के प्रति उत्तरदायी और जवाबदेह होते हैं।

c. लोकतंत्र लोगों की इच्छा पर आधारित होता है, इसलिए यह निर्वाचित मंत्री ही होते हैं जो उस इच्छा का प्रतिनिधित्व करते हैं और अंतिम निर्णय लेते हैं।

# अध्याय-5

# लोकतांत्रिक अधिकार

**अध्याय का सार**

प्रवाह चार्ट

| |
|---|
| अधिकारों का अर्थ |
| अधिकारों की आवश्यकता |
| मौलिक अधिकार |
| संवैधानिक अधिकार |
| नए अधिकारों का उदय |

**अधिकार क्या हैं?**

- अधिकार एक व्यक्ति के अन्य साथी प्राणियों, समाज और सरकार पर दावे हैं।
- वे व्यक्तियों को सम्मान, स्वतंत्रता और समानता के साथ जीने में मदद करते हैं।

**लोकतंत्र में हमें अधिकारों की आवश्यकता क्यों है?**

- लोकतंत्र समानता और स्वतंत्रता के सिद्धांत पर आधारित है।
- अधिकार अल्पसंख्यकों और कमज़ोरों को उत्पीड़न से बचाते हैं।

- वे लोकतांत्रिक प्रक्रिया में लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करते हैं।

**मौलिक अधिकार-**

**भारतीय संविधान द्वारा छह मौलिक अधिकार प्रदान किए गए हैं:**

**1. समानता का अधिकार**

- कानून के समक्ष समान।
- धर्म, नस्ल, जाति, लिंग या जन्म स्थान के आधार पर कोई भेदभाव नहीं।
- रोजगार में समान अवसर।

**2. स्वतंत्रता का अधिकार**

- भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता।
- शांतिपूर्वक इकट्ठा होने की स्वतंत्रता।
- संघ बनाने की स्वतंत्रता।
- देश के भीतर स्वतंत्र रूप से घूमने की स्वतंत्रता।
- देश के किसी भी हिस्से में रहने की आज़ादी।
- किसी भी पेशे को अपनाने की आज़ादी।

**3. शोषण के विरुद्ध अधिकार**

- निषेध:मानव तस्करी,जबरन मजदूरी (बेगार), बाल मजदूरी (14 वर्ष से कम)

**4. धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार**

- किसी भी धर्म का पालन करने, उसे मानने और उसका प्रचार करने की स्वतंत्रता।
- भारत एक धर्मनिरपेक्ष राज्य है- कोई आधिकारिक धर्म नहीं है।

**5. सांस्कृतिक और शैक्षिक अधिकार**

- अल्पसंख्यक अपनी भाषा, संस्कृति और धर्म की रक्षा कर सकते हैं।
- अपने शैक्षणिक संस्थानों की स्थापना और प्रबंधन का अधिकार।

**6. संवैधानिक उपचार का अधिकार**

- मौलिक अधिकारों का उल्लंघन होने पर न्यायालय जाने का अधिकार।
- इसे संविधान का "हृदय और आत्मा" कहा जाता है।
- अधिकारों का दायरा बढ़ाना
- समय के साथ नए अधिकार जोड़े गए हैं:
- सूचना का अधिकार (आर टी आई)
- शिक्षा का अधिकार (आर टी ई)

- गोपनीयता का अधिकार (2017 में सुप्रीम कोर्ट द्वारा जोड़ा गया)
- अधिकारों की रक्षा कैसे की जा सकती है?
- न्यायालय हमारे अधिकारों की रक्षा करते हैं।
- नागरिक जनहित याचिका (पीआईएल) दायर कर सकते हैं।
- न्यायपालिका सुनिश्चित करती है कि सरकार किसी भी अधिकार का उल्लंघन न करे।

**याद रखने के लिए महत्वपूर्ण शब्द-**

| शब्द | |
|---|---|
| संविधान | देश का सर्वोच्च कानून |
| धर्मनिरपेक्षता | सभी धर्मों के प्रति समान सम्मान |
| जनहित याचिका | सार्वजनिक हितों की रक्षा के लिए कानूनी कार्रवाई |
| लोकतंत्र | लोगों द्वारा सरकार |
| मौलिक अधिकार | संविधान द्वारा गारंटीकृत बुनियादी मानवाधिकार |
| आर टी आई (सूचना का अधिकार) | नागरिकों को सरकारी रिकॉर्ड तक पहुँचने की अनुमति देता है |
| आर टी ई (शिक्षा का अधिकार) | 6-14 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए निःशुल्क और अनिवार्य प्रारंभिक शिक्षा की गारंटी देता है। |

**बहुविकल्पीय प्रश्न**

प्रश्न 1 नीचे दिए गए कथनों पर विचार करें:

(1) भारतीय संविधान में अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के पक्ष में राज्य द्वारा संचालित सेवाओं में पदोन्नति के मामलों में आरक्षण का कोई प्रावधान नहीं है।

(2) संविधान के नियमों के अनुसार, नियुक्तियों और पदों के लिए आरक्षण प्राप्त करने के लिए एक वर्ग को सेवाओं में पिछड़ा और कम प्रतिनिधित्व वाला होना चाहिए।

निम्नलिखित में से कौन सा कथन गलत है?

(a) केवल (1) (b) केवल (2)

(c) दोनों (1) और (2) सही हैं। (d) न तो (1) और न ही (2) लागू होते हैं।

उत्तर: (b) केवल (2)

प्रश्न 2 अभिकथन (A): भारत का संविधान कहता है कि सरकार भारत के किसी भी नागरिक को कानून के समक्ष समानता या कानूनों के समान संरक्षण से इनकार कर सकती है।

कारण (R): कानून का शासन किसी भी लोकतंत्र की नींव है।

(a) (A) और (R) दोनों सत्य हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।

(b) (A) और (R) दोनों सत्य हैं लेकिन (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।

(c) (A) सही है लेकिन (R) गलत है। (d) (A) गलत है लेकिन (R) सही है।

(d) (A) गलत है लेकिन (R) सही है

उत्तर: (d) (A) गलत है लेकिन (R) सही है।

प्रश्न 3 अभिकथन (A): भारतीय संविधान कहता है कि प्रत्येक व्यक्ति को उस धर्म को मानने, उसका अभ्यास करने और उसका प्रचार करने का अधिकार है जिसमें वह विश्वास करता है।

कारण (R): धर्मनिरपेक्ष राज्य किसी एक धर्म को आधिकारिक धर्म के रूप में स्थापित नहीं करता है।

(a) (A) और (R) दोनों सत्य हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।

(b) (A) और (R) दोनों सत्य हैं लेकिन (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।

(c) (A) सही है लेकिन (R) गलत है। (d) (A) गलत है लेकिन (R) सही है।

(d) (A) गलत है लेकिन (R) सही है

उत्तर. (b) (A) और (R) दोनों सत्य हैं लेकिन (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।

**लघु उत्तरीय प्रश्न-**

प्रश्न 1. हमें लोकतंत्र में अधिकारों की आवश्यकता क्यों है? वर्णन करें।

संकेत-(i) अधिकार लोकतंत्र को बनाए रखते हैं।

(ii) वे नागरिकों को स्वतंत्र रूप से अपने विचार व्यक्त करने, पार्टियाँ बनाने और राजनीतिक गतिविधियों में भाग लेने की अनुमति देते हैं।

(iii) अधिकार तब गारंटी देते हैं जब चीजें गलत हो जाती हैं। वे बहुमत को अल्पसंख्यक पर हावी नहीं होने देते।

**दीर्घ उत्तरीय प्रश्न-**

प्रश्न.1 'समानता के अधिकार' शब्द का क्या अर्थ है? यह अधिकार समाज में निष्पक्षता और न्याय कैसे सुनिश्चित करता है, इसे स्पष्ट करने के लिए दो उदाहरण प्रदान करें।

संकेत-1. समानता का अधिकार: यह कानून के तहत समान व्यवहार सुनिश्चित करता है और धर्म, नस्ल, जाति, लिंग या जन्म स्थान जैसे विभिन्न आधारों पर भेदभाव को रोकता है। 2. समान कार्य के लिए समान वेतन: यह सुनिश्चित करता है कि सभी व्यक्तियों को लिंग या अन्य कारकों की परवाह किए बिना उनके काम के लिए उचित मुआवजा मिले। 3. आरक्षण नीतियाँ: सामाजिक न्याय और समावेशिता को बढ़ावा देते हुए ऐतिहासिक रूप से हाशिए पर पड़े समूहों को शिक्षा और रोजगार में अवसर प्रदान करना।

## अध्याय-1
## संसाधन के रूप में लोग

**अध्याय का सार:-**

- ❖ किसी देश के लोग या जनसंख्या परिसंपत्ति या संसाधन होती है यदि उन्हें उचित शिक्षा दी जाए और बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएँ प्रदान की जाएँ। लेकिन यदि शिक्षा और स्वास्थ्य का अभाव हो तो वे दायित्व बन सकते हैं।
- ❖ जब शिक्षा, प्रशिक्षण और स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में निवेश किया जाता है तो लोग मानव पूंजी बन जाते हैं।
- ❖ ये शिक्षित, प्रशिक्षित और स्वस्थ लोग बेहतर उत्पादकता का स्रोत बन जाते हैं।
- ❖ सकल और विलास की दो कहानियाँ अधिक और कम उत्पादक संसाधनों के उदाहरण हैं।
- ❖ जापान जैसे देश ने मानव संसाधन में निवेश किया है, जिसके कारण वे समृद्ध और विकसित बन गए हैं।

❖ ये मानव संसाधन तीन प्रकार की आर्थिक गतिविधियाँ करते हैं-

1. प्राथमिक
2. द्वितीयक
3. तृतीयक

❖ जनसंख्या की गुणवत्ता दी गई शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं के प्रकार पर निर्भर करती है।

❖ भारत में सरकार समग्र शिक्षा अभियान, मिड डे मील, नवोदय विद्यालय, विश्वविद्यालय आदि खोलने जैसी विभिन्न योजनाओं का पालन करके बेहतर शिक्षा प्रदान करने का प्रयास कर रही है। साक्षरता दर में सुधार हुआ है।

❖ स्वास्थ्य के क्षेत्र में सरकार कई मेडिकल कॉलेज खोल रही है, डॉक्टरों और अन्य कर्मचारियों की संख्या बढ़ा रही है। जीवन प्रत्याशा में सुधार हुआ है।

❖ बेरोजगारी एक ऐसी स्थिति है जब लोगों को नौकरी नहीं मिलती है, हालांकि वे उचित वेतन पर काम करने को तैयार हैं। बेरोजगारी तीन प्रकार की होती है -

1. मौसमी
2.प्रच्छन्न
3. शिक्षित। (बेरोजगारी युवाओं में निराशा और दर्द पैदा करती है।)

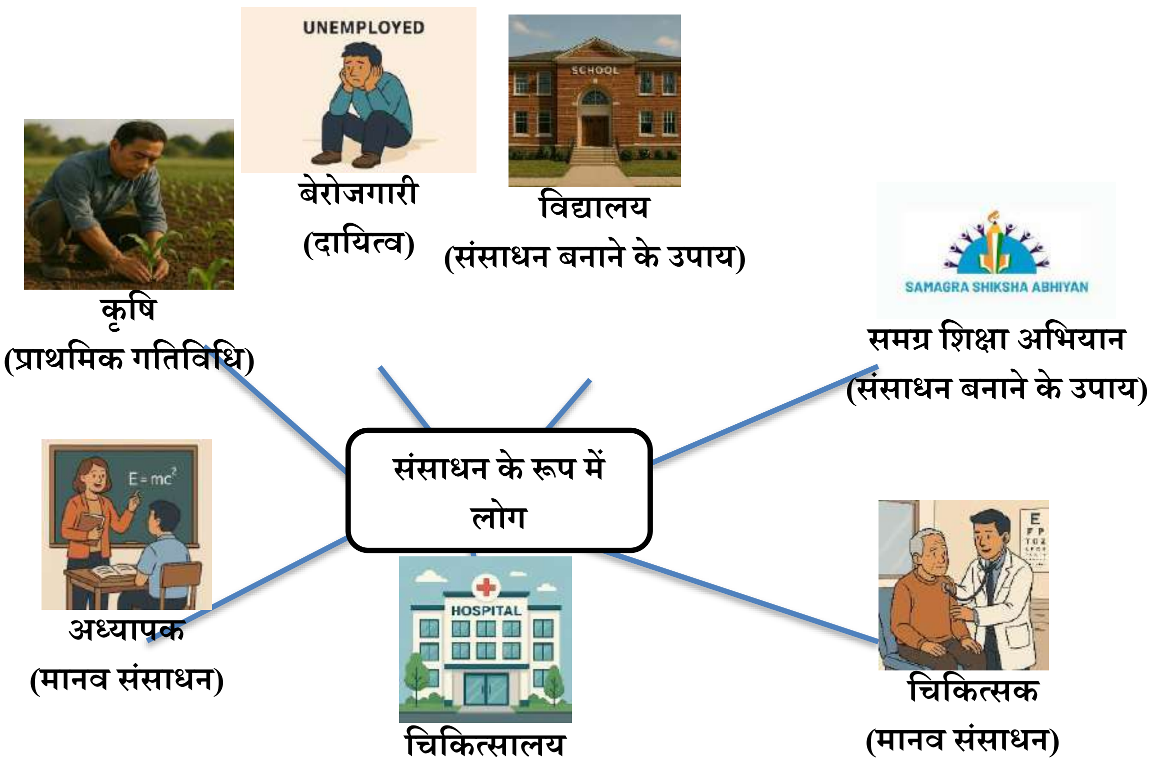


**बहुविकल्पीय प्रश्न-**

प्रश्न 1. निम्नलिखित में मानव संसाधन की पहचान करें:

A. भूमि B. डॉक्टर C. पर्वत D. रेगिस्तान

उत्तर: B

**Q2**. उस क्षेत्रक का नाम बताइए जिसमें शिक्षक, नर्स और ट्रांसपोर्टर शामिल हैं?

A. प्राथमिक B. माध्यमिक C. तृतीयक D. अनौपचारिक

उत्तर: C.

**अति लघु उत्तरीय प्रश्न-**

Q1.जनसंख्या की गुणवत्ता कुछ कारकों पर निर्भर करती है। कारकों के नाम बताइए।

संकेत: ऐसे कारक जो लोगों को मानव पूंजी बनने में मदद करते हैं।

Q2.दो प्रकार के श्रमिक हैं, एक कुशल और दूसरा अकुशल। कौन बेहतर है? समझाइए।

**संकेत**: बेहतर मानव पूंजी खोजने का प्रयास करें।

**लघु उत्तरीय प्रश्न-**

Q1.मानव संसाधन की गुणवत्ता में सुधार करने वाले दो कारकों की व्याख्या करें। संकेत: एक ऐसी प्रणाली के बारे में सोचें जो लोगों को सीखने और फिट रहने में मदद करती है।

Q2.आर्थिक और गैर-आर्थिक गतिविधियों के बीच एक-एक उदाहरण देकर अंतर बताइए। संकेत: उन गतिविधियों को याद कीजिए जिनसे पैसा मिलता है या नहीं।

**प्रश्न 3: ग्राफ के आँकड़ों को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:**

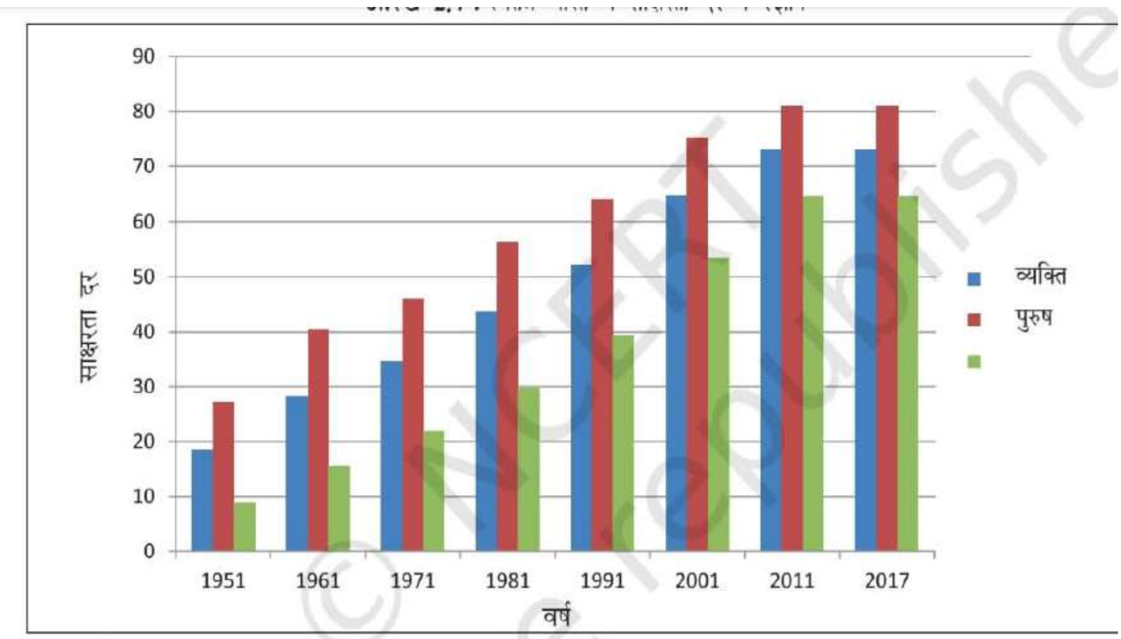


1. पुरुष और महिला साक्षरता दर के बीच लगातार अंतर से आप क्या निष्कर्ष निकाल सकते हैं?

**संकेत:** शिक्षा में असमानता

2. आपके अनुसार 1991 के बाद समग्र साक्षरता दर में इतनी तेज़ वृद्धि क्यों हुई?

**संकेत:** जागरूकता में वृद्धि और शैक्षिक योजनाओं की शुरुआत

3. उस दशक का नाम बताइए जिसमें साक्षरता दर में सबसे अधिक वृद्धि हुई।

**संकेत:** 1991 से 2001

**दीर्घ उत्तरीय प्रश्न-**

Q1. मानव संसाधन विकास में मदद करने वाले कई सरकारी कार्यक्रम हैं। चर्चा करें।

संकेत:शिक्षा, स्वास्थ्य या कौशल प्रशिक्षण से संबंधित योजनाओं के बारे में सोचें (जैसे, समग्र शिक्षा अभियान, मध्याह्न भोजन, दूरस्थ शिक्षा आदि)

Q2.भौतिक पूंजी और मानव पूंजी में तुलना करें। मानव पूंजी को अधिक महत्वपूर्ण क्यों माना जाता है?

संकेत:भौतिक और मानव पूंजी दोनों को परिभाषित करें। मानव संसाधन अन्य संसाधनों का उपयोग कर सकता है।

**केस/ स्रोत आधारित प्रश्न-**

**निम्नलिखित स्रोत को पढ़िए और उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**

बूटा और शीला सकल को पढ़ाने के लिए उत्सुक थे। उन्होंने उसे गाँव के स्कूल में दाखिला लेने के लिए मजबूर किया। जिसमें उसने शीघ्र प्रवेश लिया।उसने पढ़ाई शुरू की और अपनी उच्चतर माध्यमिक परीक्षा पूरी की। उसके पिता ने उसे पढ़ाई जारी रखने के लिए राजी कर लिया। उन्होंने सकल के लिए कंप्यूटर के व्यावसायिक कोर्स में अध्ययन के लिए कर्ज़ लिया। सकल प्रतिभाशाली था और आरंभ से ही पढ़ाई में उसकी रुचि थी। उसने बड़े लगन और उत्साह से अपना कोर्स पूरा किया। कुछ समय के बाद उसे एक प्राइवेट फर्म में नौकरी मिल गई। उसने एक नए तरह का सॉफ्टवेयर भी डिजाइन किया। इस सॉफ्टवेयर ने फर्म को अपनी बिक्री बढ़ाने में सहायता मिली। उसके बॉस ने उसकी सेवाओं से प्रसन्न होकर उसे पदोन्नति दी।

Q1. बूटा और शीला सकल को क्यों पढ़ाना चाहते हैं?

संकेत:बेहतर संसाधन

Q2.सकल द्वारा पढ़ाई पूरी करने के बाद क्या हुआ?

संकेत:कमाना शुरू किया

Q3. सकल द्वारा डिजाइन किए गए सॉफ्टवेयर के दो लाभ बताइए।

संकेत: बिक्री बढ़ी और प्रमोशन हुआ।

## अध्याय-2
## निर्धनता: एक चुनौती

**अध्याय का सार:-**

- **गरीबी का परिचय:** भारत में गरीबी एक बड़ी चुनौती है। इसका तात्पर्य भोजन, कपड़े, आदि बुनियादी ज़रूरतों को पूरा करने में असमर्थता से है।
- **गरीबी के दो विशिष्ट मामले:** इस अध्याय में गरीबी के विभिन्न पहलुओं को उजागर करने के लिए ग्रामीण और शहरी गरीबों के वास्तविक जीवन के उदाहरणों का वर्णन किया गया है।
- **भारत में गरीबी का अनुमान:** भारत में गरीबों की संख्या का अनुमान लगाने के लिए गरीबी रेखा का उपयोग किया जाता है। यह जीवित रहने के लिए आवश्यक न्यूनतम आय या उपभोग पर आधारित है।

❖ **गरीबी के कारण:** ऐतिहासिक कारण भूमि और संसाधनों का असमान वितरण, बेरोजगारी, शिक्षा में कमी, जाति और लिंग भेदभाव जैसे सामाजिक कारक

❖ **कमजोर समूह:** अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी), ग्रामीण कृषि मजदूर आदि

❖ **अंतर-राज्यीय असमानताएँ:** किसी राज्य में गरीबी ज्यादा है और किसी में कम।

❖ **वैश्विक गरीबी परिदृश्य:** दुनिया में भी यही स्थिति है। कुछ देशों में गरीबी दूसरे देशों से ज्यादा है।

❖ **गरीबी उन्मूलन उपाय:** आर्थिक विकास को बढ़ावा देना लक्षित गरीबी उन्मूलन कार्यक्रम जैसे: महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (MGNREGA), प्रधानमंत्री उज्जवला योजना, प्रधानमंत्री पोषण शक्ति अभियान आदि योजनाएं।

❖ **आगे की चुनौतियाँ:** प्रगति के बावजूद, भारत में गरीबी एक बड़ी चुनौती बनी हुई है। अगर हम गरीबी को हटाना या कम करना चाहते हैं तो बेहतर शिक्षा, आर्थिक और अन्य नीतियों का पालन करना होगा।

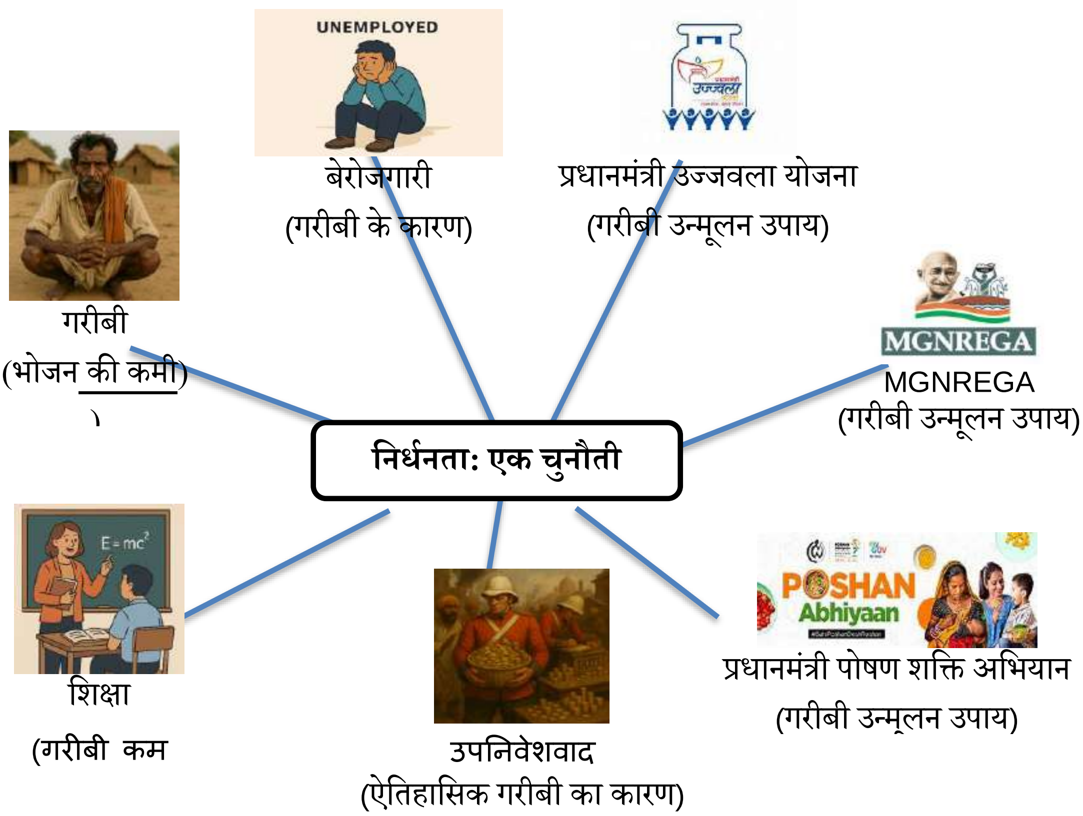


**बहुविकल्पीय प्रश्न-**

Q1. विभिन्न देशों में गरीबी रेखा के लिए अलग-अलग मानदंड हैं। भारत में गरीबी रेखा का निर्धारण निम्न द्वारा किया जाता है:

A. किसी क्षेत्र की औसत आय　　　　B. उपभोग और आय का न्यूनतम स्तर

C. शिक्षा के आधार पर D. आयु के आधार पर

उत्तर: B

Q2. अभिकथन (A): MGNREGA जैसी सरकारी योजनाएँ गरीबी कम करने में प्रभावी नहीं हैं।

कारण (R): MGNREGA एक वर्ष में 100 दिनों के रोजगार की गारंटी देता है।

विकल्प:

A) A और R दोनों सत्य हैं, और R, A का सही स्पष्टीकरण है।

B) A और R दोनों सत्य हैं, लेकिन R, A का सही स्पष्टीकरण नहीं है।

C) A सत्य है लेकिन R असत्य है।

D) A असत्य है लेकिन R सत्य है।

**अति लघु उत्तरीय प्रश्न-**

प्रश्न 1. भारत में विभिन्न श्रेणियों के लोग रहते हैं। गरीबी की चपेट में आने वाले लोगों की किन्हीं चार श्रेणियों के नाम बताइए

**संकेत** : उन लोगों के समूहों के बारे में सोचें जिनकी शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, भूमि और स्थिर नौकरियों तक अक्सर कम पहुँच होती है।

**लघु उत्तरीय प्रश्न-**

प्रश्न 1. लाखा सिंह उत्तर प्रदेश से हैं। उनके पास ज़मीन नहीं है और वे बड़े किसानों के लिए काम करते हैं। उनके सामने आने वाली चुनौतियों पर चर्चा करें।

**संकेत**: वे भूमिहीन हैं, रोज़गार अनिश्चित है, परिवार का आकार बड़ा है आदि।

प्रश्न 2. समाज वैज्ञानिक विभिन्न संकेतकों के माध्यम से गरीबी को देखते हैं। समाज वैज्ञानिक द्वारा उपयोग किए जाने वाले संकेतकों की पहचान करें।

**संकेत:** आय और उपभोग, शिक्षा, स्वास्थ्य संकेतक आदि।

प्रश्न 3: नीचे दिए गए आँकड़ों को पढ़ें और प्रश्नों के उत्तर दें:

| देश | प्रतिदिन $ 2.15 से कम पाने वालों की संख्या (2017 पी.पी.पी.) |
|---|---|
| 1. नाइजीरिया | 30.9 (2018) |
| 2. बांग्लादेश | 9.6 (2022) |
| 3. भारत | 11.9 (2021) |
| 4. पाकिस्तान | 4.9 (2018) |
| 5. चीन | 0.1 (2020) |
| 6. ब्राज़ील | 5.8 (2021) |
| 7. इंडोनेशिया | 2.5 (2022) |
| 8. श्रीलंका | 1.0 (2019) |

1. उस देश की पहचान कीजिए जहाँ $2.15 प्रति दिन से कम कमाने वाली जनसंख्या का प्रतिशत सबसे अधिक है।
**संकेत:** नाइजीरिया
2. भारत और बांग्लादेश की गरीबी दर की तुलना कीजिए।
**संकेत**: बांग्लादेश की गरीबी दर भारत से कम है।
3. उस देश की पहचान करें जिसकी जनसंख्या का सबसे कम प्रतिशत प्रतिदिन 2.15 डॉलर से कम पर जीवन यापन करता है।
**संकेत:** चीन

**दीर्घ उत्तरीय प्रश्न-**

प्रश्न 1. भारत जैसे बड़े देश में गरीबी के कई कारण हैं। भारत में गरीबी के कारणों को उचित ठहराएँ।

संकेत: ऐतिहासिक कारण, नौकरियों की कमी, शैक्षिक कारण, जनसंख्या, आय का असमान वितरण आदि

प्रश्न 2. भारत सरकार विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से गरीबी को दूर करने का प्रयास कर रही है। भारत से गरीबी को दूर करने के लिए सरकार द्वारा शुरू किए गए किन्हीं पाँच कार्यक्रमों का वर्णन करें।

संकेत: मनरेगा, पीएमयूवाई, पीएमएसएमए, पीएमपीएसए, पीएमजीवाई आदि कार्यक्रम।

**केस/ स्रोत आधारित प्रश्न-**

**निम्नलिखित स्रोत को पढ़िए और उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**

भारत में गरीबी रेखा से नीचे रहने वाले लोगों का अनुपात भी सभी सामाजिक समूहों और आर्थिक श्रेणियों के लिए समान नहीं है। सामाजिक समूह, जो गरीबी के प्रति सबसे अधिक संवेदनशील हैं, वे अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के परिवार हैं। इसी तरह, आर्थिक समूहों में, सबसे अधिक असुरक्षित समूह ग्रामीण कृषि-श्रमिक परिवार और शहरी आकस्मिक-श्रमिक परिवार हैं।

प्रश्न 1: भारत में विभिन्न सामाजिक समूह रहते हैं, जैसा कि हम सभी जानते हैं। इसे ध्यान में रखते हुए, 'असुरक्षित' शब्द को परिभाषित करें। संकेत: वंचित समूह।

प्रश्न 2: भारत में असुरक्षित समूहों से गरीबी हटाने के लिए विभिन्न कदम उठाए जा सकते हैं। इनमें से कोई एक सुझाव दें। संकेत: अच्छी शिक्षा, नौकरी आदि दें

प्रश्न 3: सामाजिक रूप से असुरक्षित समूहों के कई उदाहरण हैं। भारत में किन्हीं दो सामाजिक रूप से असुरक्षित समूहों का उदाहरण दें।

संकेत: एससी, एसटी या अन्य सामाजिक समूह.

## अध्याय-3
## खाद्य सुरक्षा

**अध्याय का सार –**

**खाद्य सुरक्षा**

| | |
|---|---|
| भोजन की उपलब्धता | देश के भीतर खाद्य उत्पादन, खाद्य आयात और सरकारी अन्न भंडार में संग्रहीत पिछले वर्ष का स्टॉक |
| पहुंच | भोजन हर व्यक्ति की पहुंच में है। |
| सामर्थ्य | इसका अर्थ है कि किसी व्यक्ति के पास अपनी आहार संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पर्याप्त, सुरक्षित और पौष्टिक भोजन खरीदने के लिए पर्याप्त धन है |

**खाद्य सुरक्षा की आवश्यकता**

- यह सुनिश्चित करना कि कोई भी भूख से न मरे।
- प्राकृतिक आपदाओं (जैसे सूखा, बाढ़) के दौरान।
- स्वास्थ्य और उत्पादकता बनाए रखना।

**खाद्य असुरक्षित कौन हैं?**

आर्थिक
- भूमिहीन लोग, पारंपरिक कारीगर, स्वरोजगार करने वाले श्रमिक और भिखारी हैं।

सामाजिक
- अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजाति अन्य पिछड़ा वर्ग के कुछ वर्ग।

दीर्घ कालीन भूख भूख लगातार मात्रा और/या गुणवत्ता के मामले में अपर्याप्त आहार का परिणाम है।

मौसमी भूख खाद्य उत्पादन और कटाई के चक्रों से संबंधित है। यह ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि गतिविधियों की मौसमी प्रकृति और शहरी क्षेत्रों में प्रचलित है।

भूख: भूख खाद्य असुरक्षा का एक और पहलू है। यह केवल गरीबी की अभिव्यक्ति नहीं है; यह गरीबी लाता है।

**खाद्यान्नों में आत्मनिर्भरता के उपाय**

- 1960 के दशक के अंत और 1970 के दशक की शुरुआत में हरित क्रांति ने खाद्यान्नों के उत्पादन को बढ़ाने में महत्वपूर्ण मदद की।

- इंदिरा गांधी ने जुलाई 1968 में गेहूं क्रांति नामक एक विशेष डाक टिकट जारी करके कृषि में हरित क्रांति की प्रगति को दर्ज किया।

**भारत में खाद्य सुरक्षा**

**बफरस्टॉक**

**भारतीय खाद्य निगम (FCI) के माध्यम से सरकार द्वारा खरीदे गए खाद्यान्नों का स्टॉक।**

**स्टॉक। किसानों को उनकी फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य का भुगतान किया जाता है।**

**सार्वजनिक वितरण प्रणाली**

**वह प्रणाली जिसमें FCI द्वारा खरीदा गया खाद्यान्न सरकार द्वारा समाज के गरीब वर्गों में वितरित किया जाता है।**

**राशन की दुकानें गाँवों, कस्बों और शहरों में मौजूद हैं, जिन्हें उचित मूल्य की दुकानें भी कहा जाता है।**

**चुनौतियाँ-**

अकुशल सार्वजनिक वितरण प्रणाली

भ्रष्टाचार और रिसाव

खाद्यान्न की निम्न गुणवत्ता.

**सार्वजनिक वितरण प्रणाली की वर्तमान स्थिति**

- ❖ 1992 में संशोधित सार्वजनिक वितरण प्रणाली शुरू की गई।
- ❖ 1997 में लक्षित सार्वजनिक वितरण प्रणाली शुरू की गई।
- ❖ अंत्योदय अन्न योजना (AAY) 2000 में शुरू की गई।
- ❖ अन्नपूर्णा योजना (APS) 2000 में शुरू की गई।

**खाद्य सुरक्षा में सहकारी समितियों की भूमिका**

- ❖ मदर डेयरी दिल्ली में उपभोक्ताओं को दूध और सब्जियाँ उपलब्ध कराती है।
- ❖ अमूल ने देश में श्वेत क्रांति लाई।
- ❖ महाराष्ट्र में विकासात्मक विज्ञान अकादमी, एक अभिनव खाद्य सुरक्षा हस्तक्षेप।

**बहुविकल्पीय प्रश्न-**

1. अभिकथन (A) खाद्य आयात और पिछले वर्षों के स्टॉक खाद्य उपलब्धता सुनिश्चित कर सकते हैं लेकिन खाद्य सामर्थ्य सुनिश्चित नहीं कर सकते।
2. कारण (R) सरकार खाद्य उपलब्ध करा सकती है लेकिन सामर्थ्य के लिए एक व्यक्ति के पास पर्याप्त मात्रा में और पौष्टिक भोजन खरीदने के लिए पर्याप्त धन होना चाहिए।
   (a) A और R दोनों सत्य हैं और R, A का सही स्पष्टीकरण है
   (b) A और R दोनों सत्य हैं, लेकिन R, A का सही स्पष्टीकरण नहीं है
   (c) A सत्य है, लेकिन R असत्य है
   (d) A असत्य है, लेकिन R सत्य है

उत्तर A

**विश्लेषणात्मक (analytical) और आँकड़ों पर आधारित (data-based) प्रश्न-**

Graph 4.1: Production of Foodgrains in India (Million Tonnes)

*Source:* AS & E Division, Department of Agriculture & Farmers Welfare in Economic Survey 2023–24, Statistical Appendix.
* Third Estimate

**प्रश्न 1.**2000-01 और 2023-24 के खाद्यान्न उत्पादन की तुलना कीजिए। इससे क्या संकेत मिलता है?

**संकेत:** 2000-01 में उत्पादन 196 मिलियन टन और 2023-24 में 328 मिलियन टन था।

*यह खाद्यान्न उत्पादन में महत्वपूर्ण वृद्धि को दर्शाता है, जो कृषि क्षेत्र की प्रगति का संकेत है।*

**प्रश्न 2:**किस वर्ष में भारत का खाद्यान्न उत्पादन पहली बार 250 मिलियन टन से अधिक हुआ?

**संकेत:** ग्राफ में उस वर्ष को देखें जहाँ बार 250 मिलियन टन को पार करता है।

**केस आधारित अध्ययन-**

"सोनपुर, गुजरात के मराठवाड़ा के सूखाग्रस्त क्षेत्र में बसा एक छोटा सा गाँव है, जो हमेशा से ही अपनी खेती के लिए मानसून की बारिश पर बहुत ज़्यादा निर्भर रहा है। पिछले दो सालों से अनियमित बारिश के कारण लगातार फ़सलें बर्बाद हो रही हैं। एक छोटा किसान श्यामलाल अपने परिवार का पेट पालने के लिए संघर्ष कर रहा है, जबकि रानू, एक दिहाड़ी मज़दूर है, उसे काम के कम अवसर मिल रहे हैं। गाँव की आँगनवाड़ी में बच्चों में कुपोषण के बढ़ते मामलों की रिपोर्ट है। स्थानीय सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) की दुकान में अक्सर स्टॉक खत्म हो जाता है, और खुले बाज़ार में ज़रूरी वस्तुओं की कीमतें आसमान छू रही हैं।"

**1.**"प्रदान की गई जानकारी के आधार पर, सोनपुर में खाद्य असुरक्षा के कम से कम तीन प्रमुख कारणों की पहचान करें और उन्हें स्पष्ट करें।

**संकेत** -फसल विफलता (उपलब्धता), उच्च कीमतें/कम आय (वहनीयता), पीडीएस अकुशलता (पहुंच), कुपोषण

(उपयोग)।

2. "सोनपुर का दौरा करने वाले एक सरकारी अधिकारी के रूप में, खाद्य सुरक्षा के लिए मौजूदा दो सरकारी योजनाओं को आप गाँव में और अधिक प्रभावी ढंग से मजबूत करने या लागू करने की क्या सलाह देंगे? प्रत्येक योजना श्यामलाल, रानू या पूरे गाँव की समस्याओं को कैसे संबोधित करेगी, यह बताकर अपने विकल्पों को उचित ठहराएँ।"

मुख्य बिंदु -पीडीएस (लगातार आपूर्ति, व्यापक कवरेज सुनिश्चित करना), मिड-डे मील (बाल कुपोषण को दूर करना), एएवाई (सबसे गरीब परिवारों के लिए)।

3"सरकारी योजनाओं से परे, दो व्यावहारिक, सामुदायिक स्तर के समाधान प्रस्तावित करें जिन्हें सोनपुर के ग्रामीण स्वयं अपना सकते हैं (संभवतः स्थानीय सरकार के सहयोग से) ताकि उनकी दीर्घकालिक खाद्य सुरक्षा में सुधार हो सके। प्रत्येक के संभावित लाभ और चुनौतियों की व्याख्या करें।"

**संकेत** - सहकारी खेती, स्थानीय खाद्य बैंक, जल संरक्षण/कटाई, फसलों का विविधीकरण, वैकल्पिक आजीविका के लिए व्यावसायिक प्रशिक्षण।

*******************************************************************